RADIANT ACADEMY
(AFFILIATED TO CBSE)
B-180, sector-55, noida Ph: 120-4314312/ 6514636
Mob. : 9350251631/ 9674710772 E-mail: radiantacademynoida@yahoo.com
RADIANT ACADEMY
(J.H.S.) (AFFILIATED TO CBSE)
Sorkha, Sector- 115, noida on Fng Ph: 120- 6495106,
Mob. : 9873314814/ 9674710772 E-mail: radiantacademysorkha@yahoo.com
Let your child Explore the world with us in a Secure Environment!
We are a Co-Educational Medium Senior Secondary School
imparting quality education since the last 20 years.
FROM ADMISSION OPEN NURSERY TO CLASS XI Transport Facility Available
FACILITIES AVAILABLE AT SCHOOL : ●Highly Qualified And Trained Faculty
well Quipped Labs ●CCTV Controlled Environment ●Activity Based Learning
● Well Equipped Library ●GPS Enable Buses

आज की खबर आज ही
जनाकांक्षाओं का सजग प्रहरी
चेतना मंच

पेज 7 दीपिका ने शाहरुख-आलिया को...

वर्ष : 26 अंक : 158 website:www.chetnamanch.com नोएडा, बृहस्पतिवार, 30 मई, 2024 Chetna Manch Chetna Manch मूल्य 2.00 रुपया पेज: 8

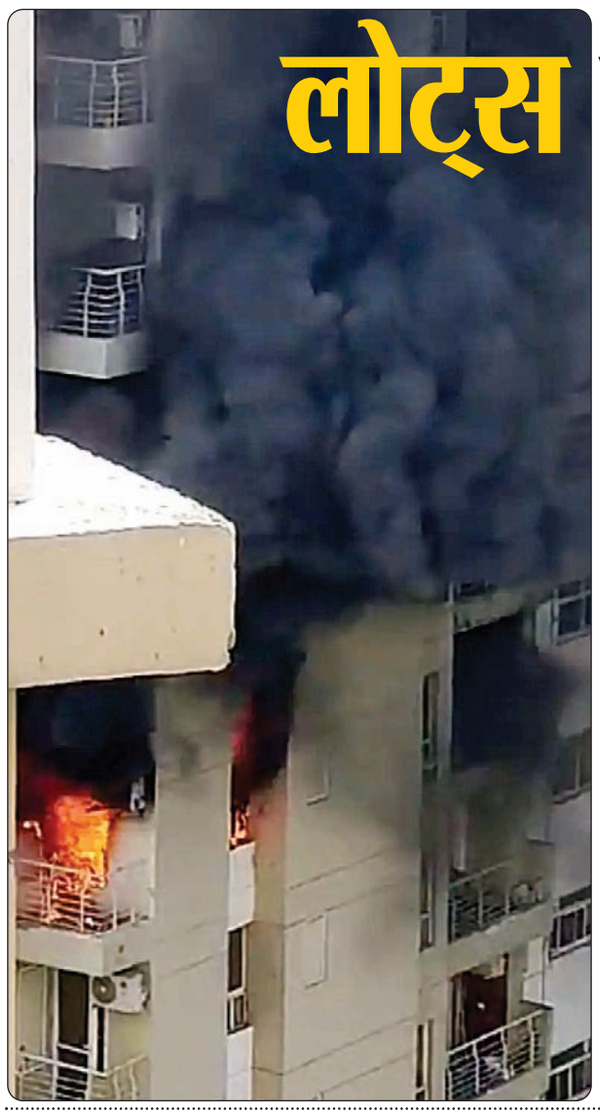

बुलेवर्ड सोसाइटी के फ्लैट में AC ब्लास्ट

ब्लास्ट से कई फ्लैटों में लगी आग, मची अफरा-तफरी

नोएडा (चेतना मंच)। थाना सेक्टर-39 क्षेत्र के सेक्टर-100 स्थित लोटस बुलेवर्ड सोसाइटी के फ्लैट में आज सुबह भीषण आग लग गई। धीरे-धीरे आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। जिसकी चपेट में आसपास के फ्लैट भी आए। भय व दहशत से सोसायटी में हड़कंप मच गया तथा लोग फ्लैट छोड़कर बाहर की ओर भागे। मौके पर पहुंची दमकल विभाग की पांच गाड़ियों ने काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। इस घटना में कोई जनहानि नहीं है।

मुख्य दमकल अधिकारी प्रदीप कुमार चौबे ने बताया कि सेक्टर 100 स्थित लोटस बुलेवर्ड सोसाइटी में रहने वाले जसनीत बक्शी मर्चेंट नेवी में काम करते हैं। आज सुबह को उनके फ्लैट की बालकनी में आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। उन्होंने बताया कि मौके पर पहुंची दमकल विभाग की पांच गाड़ियों तथा सोसाइटी में लगे फायर फाइटिंग सिस्टम की सहायता से आग पर काबू पाया गया। उन्होंने बताया कि इस घटना में कोई जानकारी नहीं है। सोसाइटी के फ्लैट में आग लगने की घटना से वहां रहने वाले लोगों में अफरा- तफरी का माहौल व्याप्त हो गया। लोग अपने-अपने फ्लैटों से निकलकर बाहर आ गए। वहां पहुंची पुलिस और फायर विभाग के अधिकारियों में लोगों को शांत रहने की अपील की तथा आग पर काबू पाया। लोगों ने बताया कि एसी में शॉट-सर्किट के कारण आग लगी है। फायर बिग्रेड की तत्परता से बड़ा हादसा होने से टल गया।

स्प्लिट एसी में हुआ था विस्फोट

नोएडा के मुख्य अग्निशमन अधिकारी (सीएफओ) प्रदीप कुमार ने बताया कि पांच दमकल गाड़ियों को घटनास्थल पर भेजा गया। सोसायटी में अग्निशमन प्रणालियां काम कर रही थीं और हमारे पहुंचने से पहले ही आग बुझा दी गई थी। आग स्प्लिट एसी में विस्फोट के कारण लगी थी। किसी के घायल होने या हताहत होने की खबर नहीं है।

पुलिस मुठभेड़ में शातिर लुटेरा दबोचा

● मोटरसाइकिल, तमंचा व लूटे हुए 6 मोबाइल बरामद

नोएडा (चेतना मंच)। थाना फेस-दो पुलिस ने एक मुठभेड़ के दौरान एक शातिर लुटेरे को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके कब्जे से देसी तमंचा, मोटरसाइकिल और लूटे हुए 6 मोबाइल फोन बरामद किये हैं।

अपर पुलिस उपायुक्त जोन द्वितीय हृदेश कठेरिया ने बताया कि थाना फेस-2 पुलिस बुधवार की देर रात को बदमाशों की तलाश में चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान एक मोटरसाइकिल पर सवार होकर दो व्यक्ति कुलेसरा बॉर्डर के पास आते हुए दिखाई दिए। शक होने पर पुलिस ने उन्हें रुकने का इशारा किया। बदमाश पुलिस को देखकर

रुकने की वजाए वहां से भागने लगे। जब पुलिस ने पीछा कर उन्हें घेर लिया तो बदमाशों ने पुलिस पार्टी पर जान से मारने की नीयत से गोली चलाई।

जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने भी गोली चलाई। पुलिस द्वारा चलाई गई गोली एक बदमाश आकाश पुत्र राजकुमार निवासी श्याम पार्क कॉलोनी साहिबाबाद जनपद गाजियाबाद के पैर में लगी है। इस दौरान (शेष पृष्ठ-3 पर)

आज थम जायेगा लोकसभा-2024 चुनाव का प्रचार

1 जून को सातवां चरण, पीएम मोदी, अजय राय, रवि किशन, अफजल अंसारी जैसे दिग्गज मैदान में

लखनऊ (एजेंसी)। लोकसभा चुनाव 2024 का चुनाव प्रचार आज शाम 6 बजे थम जाएगा। चुनाव के रण के आखिरी मुकाबले में अपना दमखम दिखाने के लिए सभी राजनीतिक दल जुट गए हैं। उत्तर प्रदेश समेत देश में आज 7वें चरण का चुनाव प्रचार थम जाएगा।

आपको बता दें कि लोकसभा चुनाव 2024 को सात चरणों में कराया गया है। 1 जून 2024 को लोकसभा चुनाव 2024 का आखिरी चरण है। सातवें चरण में आठ राज्यों और केंद्र शासित राज्यों की 57 सीटों पर (शेष पृष्ठ-3 पर)

रॉबर्ट्सगंज में चुनाव प्रचार करते समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव।

प्रदेश में जानलेवा बनी गर्मी, अब तक 31 लोगों की मौत!

नोएडा (चेतना मंच)। उत्तर भारत में भीषण गर्मी पड़ रही है। पूरे उत्तर प्रदेश में भीषण गर्मी का दौर चल रहा है। बुंदेलखंड में प्रचंड गर्मी और लू की चपेट में आने से बुधवार को 31 लोगों की जान चली गई। इसमें महोबा में आठ, हमीरपुर में सात, चित्रकूट में छह, फतेहपुर में पांच, बांदा में तीन और जालौन में दो व्यक्ति की मौत हो गई। इनमें से ज्यादातर लोग किसी काम से बाहर निकले थे और रास्ते में ही अचेत होकर गिर गए। अस्पताल पहुंचने से पहले ही उनकी मौत हो गई।

उत्तर भारत में भीषण गर्मी पड़ रही है। उत्तर प्रदेश के कई इलाके भीषण गर्मी की चपेट में है। अब यह गर्मी जानलेवा साबित हो रही है। बहराइच में लू की चपेट में आने नानपारा व कैसरगंज तहसील क्षेत्र में दो लोगों की मौत हो गई। इसी तरह प्रयागराज में एक दरोगा समेत चार लोगों की जान चली गई। ग्रेटर नोएडा में मेरठ निवासी एक बुजुर्ग की लू लगने से मौत हो गई। बलिया में एक महिला की मौत हो गई। इसके अलावा वाराणसी में छह, मिर्जापुर में तीन, आजमगढ़, जौनपुर और सोनभद्र में एक-एक की मौत हुई है। आशंका जताई जा रही है कि इन सभी लोगों की लू लगने से मौत हुई है, हालांकि पोस्टमार्टम के बाद ही पता चल सकेगा की मौत की असल वजह क्या है। (शेष पृष्ठ-3 पर)

नोएडा में GIP Mall पर ईडी का बड़ा एक्शन

मनोरंजन कंपनियों की 290 करोड़ की संपत्ति कुर्क

नोएडा (चेतना मंच)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने नोएडा में बड़ी कार्रवाई की है। नोएडा सेक्टर-38ए स्थित मशहूर ग्रेट इंडिया पैलेस (जीआईपी) मॉल समेत मनोरंजन सेवाएं देने वाली कंपनी पर कानूनी शिकंजा कसा गया है। जीआईपी मॉल के कुछ हिस्से को अटैच किया गया है। ईडी ने इंटरनेशनल एम्यूजमेंट लिमिटेड (आईआरएल की होल्डिंग कंपनी) से संबंधित 290 करोड़ की संपत्तियां कुर्क की हैं। इसके दायरे में जीआईपी मॉल भी आया है।

जानकारी के मुताबिक एंटरटेनमेंट सिटी लिमिटेड के तहत आने वाला नोएडा का जीआईपी मॉल करीब 3,93,737.28 स्क्वायर फुट की कमर्शियल जगह पर बना है। हर दिन बड़ी संख्या में लोग मॉल में

घूमने और शॉपिंग करने पहुंचते हैं। ऐसे में ईडी की यह कार्रवाई किसी झटके से कम नहीं है।

ईडी का शिकंजा रोहिणी के एडवेंचर आइलैंड पर भी कसा है। रोहिणी स्थित एडवेंचर आइलैंड लिमिटेड 45,966 स्क्वायर फुट की कमर्शियल जगह पर बना है। जांच एजेंसी ने बताया कि इंटरनेशनल एम्यूजमेंट लिमिटेड पर आरोप है कि उसने गुरुग्राम के सेक्टर 29 (शेष पृष्ठ-3 पर)

हिंदू रक्षा दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने की मारपीट, दी धमकी

गाजियाबाद (चेतना मंच)। नोएडा शहर से सटे गाजियाबाद जिले में हिंदू रक्षा दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष पिंकी चौधरी व उनके बेटे समेत 6 लोगों पर मारपीट, गाली-गलौज और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में मुकदमा दर्ज हुआ है। हिंदू रक्षा दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने थाना साहिबाबाद क्षेत्र के सेक्टर-3 में स्थित वेद होम सोसाइटी में जीडीए अधिकारी और सोसाइटी निवासियों के साथ मारपीट की है। इस घटना के बाद सोसाइटी निवासियों में रोष है। उन्हें अपनी जान का खतरा है।

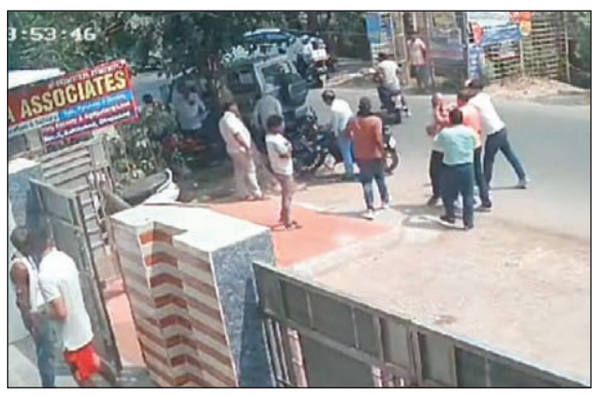

थाना साहिबाबाद क्षेत्र के सेक्टर तीन स्थित वेद होम सोसाइटी के निवासी कमलेश्वर सिंह ने रिपोर्ट दर्ज कराई है। 27 मई 2024 को दोपहर 2 बजे जीडीए के कुछ अधिकारी उनसे कुछ पूछताछ के लिए आए थे। (शेष पृष्ठ-3 पर)

स्टेडियम में आज से 'आरामगाह' का शुभारंभ

नोएडा (चेतना मंच)। विकास कार्यों से परे मानवीय संवेदनाओं की सुध लेने वाले नोएडा प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) डा. लोकेश एम के सराहनीय प्रयासों की चहुंओर प्रशंसा हो रही है।

इसी प्रयासों की कड़ी में अब सीईओ ने आसमान से अंगारे बरसने वाली प्रचंड गर्मी से लोगों को राहत देने के लिए सेक्टर-21ए नोएडा स्टेडियम में 'आरामगाह' बनाया है। जहां लोग गर्मी से बचने के लिए आराम कर सकें तथा भीषण गर्मी से बच सकें।

आज से शुरू इस 'आरामगाह' में सोने व बैठने के लिए गददे व चादर के अलावा स्वच्छ व शीतल पेयजल, वाटर कूलर, शौचालय तथा सेनेटाइजर व साफ-सफाई की समुचित व्यवस्था है। इस आरामगाह में एक केयरटेकर भी तैनात

रहेगा जो लोगों की सुख-सुविधाओं का ख्याल रखेगा।

इसके अलावा प्राधिकरण ने दोपहिया वाहन चालकों को धूप से राहत देने के लिए प्रमुख चौराहों पर हरे रंग का ग्रीन नेट भी लगाया है। जिससे दोपहिया चालक लाल बत्ती पर धूप से बच सकें।

इसके पूर्व सीईओ ने भीषण गर्मी से दिहाड़ी मजदूरों के एकत्रित होने वाले स्थल सेक्टर-49 के (शेष पृष्ठ-3 पर)

दोपहर में काम नहीं करेंगे प्राधिकरण के फील्ड कर्मचारी

भयंकर धूप व गर्मी के मददेनजर नोएडा प्राधिकरण ने फील्ड में तैनात कर्मचारियों के कार्यवधि में परिवर्तन किया है। अब प्राधिकरण के सिविल, जल, उद्यान, विद्युत विभाग तथा अनुरक्षण विभाग के कर्मचारियों को प्रात: 6-10 बजे से तथा सायं 4-8 बजे तक ही कार्य करना होगा। जबकि जनस्वास्थ्य विभाग के फील्ड कर्मचारियों को प्रात: 6-12 बजे कार्य करना होगा। इसमें सफाई मजदूर भी शामिल हैं। दोपहर 12-4 बजे तक उन्हें काम करने से मना कर दिया गया ताकि भीषण गर्मी में वे हीटवेव का शिकार न हो जाएं।

सड़क हादसों में चार लोगों की दर्दनाक मौत

नोएडा (चेतना मंच)। जनपद में विभिन्न थाना क्षेत्रों में हुए सड़क हादसों में 4 लोगों की मौत हो गई।

थाना बादलपुर क्षेत्र के साधोपुर झाल के पास बीती रात को हुए सड़क हादसे में अखिलेश उम्र (37 वर्ष) की मौत हो गई है। वह बाजार से अपनी ठेली लेकर रास्ते में जा रहे थे तभी एक अज्ञात वाहन चालक ने उन्हें टक्कर मार दी।

थाना बादलपुर क्षेत्र के मोहन स्वरूप हॉस्पिटल के पास बीती रात को हुए एक सड़क हादसे में राहुल उम्र 25 वर्ष की मौत हो गई है। राहुल बुधवार की रात को अपना ट्रैक्टर लेकर जा रहे थे, तभी ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर पलट गया। उन्हें गंभीर हालत में उपचार के लिए एक अस्पताल में भर्ती करवाया गया, जहां पर उनकी मौत हो गई।

थाना बीटा-2 क्षेत्र के जीरो पॉइंट के पास बीती रात को हुए एक सड़क हादसे में टाटा मैजिक पर सवाल सुनील कुमार की मौत हो गई है। सुनील अपनी टाटा मैजिक लेकर आगरा से नोएडा की तरफ जा रहे थे, तभी जीरो पॉइंट के पास सड़क पर खराब खड़े एक वाहन से उनका वाहन टकरा गया। इस घटना में वह गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें उपचार के लिए दिल्ली के एम्स में भर्ती करवाया गया था, (शेष पृष्ठ-3 पर)

भयावह मौसम

तपतपाती गर्मी और भीषण लू की चपेट में आधा भारत है, लिहाजा मौसम भयावह हो गया है। करीब 50 शहरों में तापमान 46-47 डिग्री सेल्सियस को पार कर चुका है। राजधानी दिल्ली में कुछ इलाके ऐसे हैं, जहां पारा 48 डिग्री तक पहुंच गया है। राजधानी क्षेत्र गुरुग्राम, फरीदाबाद, नोएडा में भी तापमान करीब 47 डिग्री सेल्सियस रहा है। राजस्थान के फलौदी में लगातार तीसरे दिन तापमान 49 डिग्री को पार कर गया। यह देश का सबसे ज्यादा गरम इलाका रहा। ये सामान्य तापमान नहीं हैं, क्योंकि एक हद के बाद गर्मी और लू के ये थपेड़े जानलेवा साबित हो सकते हैं। देश में एक तरफ चिलचिलाती गर्मी है, तो दूसरी ओर पश्चिमी तट पर 'रेलम तूफान' ने थपेड़े मारते हुए बहुत कुछ बर्बाद किया है। कई जानें भी गई हैं। तेज हवाएं चल रही हैं और खूब बारिश का आलम है। यह विरोधाभास एक ही देश के भीतर दिख रहा है। यही जलवायु परिवर्तन का दुष्प्रभाव है। दिल्ली ही नहीं, बेंगलुरु, चेन्नई, हैदराबाद, मुंबई जैसे महानगरों में 'ताप प्रभाव और सूचकांक' स्पष्ट दिख रहा है। यह विज्ञान एवं पर्यावरण केंद्र की रपट का सारांश है। यहां पर कंकरीट या पक्का निर्माण बढने के साथ ही हरित क्षेत्र पहले की तुलना में कम हुए हैं। इसके कारण रात के समय भी तापमान में अपेक्षित गिरावट नहीं आ रही है। गर्मी का ऐसा प्रचंड प्रभाव है कि सडक़ों पर दौड़ रहे वाहनों के टायर पिघल रहे हैं। नतीजतन दुर्घटनाएं हो रही हैं। इस उबलती गर्मी के मानवीय दुष्प्रभाव भी हैं। प्रख्यात पत्रिका 'लैंसेट' ने अध्ययन किया है कि यह मौसम मधुमेह, हृदय रोग, रक्तचाप और किडनी के मरीजों के लिए बेहद गंभीर दुष्प्रभावों वाला है। चिकित्सकों का मानना है कि लोगों को काम से बाहर जाना उनकी विवशता है, लिहाजा प्रचंड गर्मी से लोग 'डिहाइड्रेशन' का शिकार हो रहे हैं। उससे किडनी की कार्यक्षमता सीधे ही प्रभावित होती है। उससे कई और बीमारियां बढ़ सकती हैं। हालात ऐसे होते जा रहे हैं कि दिल्ली सरकार के सभी 26 अस्पतालों में 2-3 बिस्तर आरक्षित किए जा रहे हैं। लोकनायक जयप्रकाश अस्पताल में 5 बिस्तर आरक्षित करने का फैसला लिया गया है। मौसम विभाग के महानिदेशक डॉ. मृत्युंजय महापात्र का आकलन है कि तमतमाती गर्मी जून में भी भयावह होगी, क्योंकि इस बार गरम लू के दिन दोगुना होंगे। सबसे ज्यादा असर दिल्ली, राजस्थान, पंजाब, हरियाणा, उप्र, गुजरात और मध्यप्रदेश आदि राज्यों में दिखेगा। उत्तर-पश्चिम राज्यों में जून में सामान्य रूप से गरम लू के 3 दिन होते हैं, लेकिन इस बार कमोबेश 6 दिन रहने की आशंका है। रात का तापमान भी 4-6 डिग्री अधिक रहेगा। गर्मी के साथ-साथ उमस भी बढ़ेगी। विज्ञान एवं पर्यावरण केंद्र की रपट के मुताबिक, शहरों में नमी ज्यादा होने और तापमान में बढ़ोतरी के चलते वहां का मौसम पहले से ज्यादा असहनीय होता जा रहा है। इस पर तुरंत प्रबंधन अनिवार्य है। हरित क्षेत्र में बढ़ोतरी, जलाशयों के निर्माण के साथ-साथ भवनों की संरचना में ऐसे बदलाव लाए जाने चाहिए, जिससे वे तापमान के ज्यादा अनुकूल हो सकें। ऐसे गरम मौसम में चिकित्सकों की सलाह है कि इस मौसम में कई वायरस और बैक्टीरिया सक्रिय हो जाते हैं। कई बार ऐसा होता है कि गर्मी में कुछ खाने के बाद उल्टी आने लगती है या फिर पेट में जलन होने लगती है। यह पाचन-तंत्र की गड़बड़ी का पहला संकेत है, लिहाजा गर्मियों में तरबूज और खरबूजे का पर्याप्त सेवन करना चाहिए। इन फलों में पानी होता है। ये शरीर को हाइड्रेटेड रखते हैं। ऐसे मौसम में नारियल का पानी, खीरा, दही, पुदीना, आम, लीची, आड़ू, संतरा, मौसमी, खुबानी, अनानास, अनार आदि भी फायदेमंद होते हैं। बहरहाल, हम प्रकृति की ताकत को भूल बैठे हैं, लिहाजा गर्मी-लू विस्फोट जैसे लग रहे हैं।

रामचरित मानस

कल के अंक में आपने पढ़ा था कि

जिनको कठोर वचन रूपी वज्र सदा प्यारा लगता है और जो हजार आँखों से दूसरों के दोषों को देखते हैं।। उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

दो0-उदासीन अरि मीत हित सुनत जरहिं खल रीति।
जानि पानि जुग जोरि जन बिनती करइ सप्रीति॥

दुष्टों की यह रीति है कि वे उदासीन, शत्रु अथवा मित्र, किसी का भी हित सुनकर जलते हैं। यह जानकर दोनों हाथ जोड़कर यह जन प्रेमपूर्वक उनसे विनय करता है॥

मैं अपनी दिसि कीन्ह निहोरा। तिन्ह निज ओर न लाउब भोरा॥
बायस पलिअहिं अति अनुरागा। होहिं निरामिष कबहुँ कि कागा॥

मैंने अपनी ओर से विनती की है, परन्तु वे अपनी ओर से कभी नहीं चूकेंगे। कौओं को बड़े प्रेम से पालिए, परन्तु वे क्या कभी मांस के त्यागी हो सकते हैं?॥

बंदउँ संत असज्जन चरना। दुःखप्रद उभय बीच कछु बरना॥
बिछुरत एक प्रान हरि लेहीं। मिलत एक दुख दारुन देहीं॥

अब मैं संत और असंत दोनों के चरणों की वन्दना करता हूँ, दोनों ही दुःख देने वाले हैं, परन्तु उनमें कुछ अन्तर कहा गया है। वह अंतर यह है कि एक (संत) तो बिछुड़ते समय प्राण हर लेते हैं और दूसरे (असंत) मिलते हैं, तब दारुण दुःख देते हैं। (अर्थात संतों का बिछुड़ना मरने के समान दुःखदायी होता है और असंतों का मिलना।)॥

(क्रमशः...)

आर्थिक मोर्चे पर भारत का सुनहरा भविष्य

इसे संयोग ही कहेंगे कि जिस समय भारतीय चुनाव अभियान के दौरान विपक्षी दल महंगाई को बड़ा मुद्दा बनाने की कोशिश कर रहे थे, ठीक उसी समय संयुक्त राष्ट्र संघ साल 2024 में भारत में मुद्रास्फीति साढ़े चार फीसद रहने का अनुमान जता रहा था। संयुक्त राष्ट्र संघ ने यह अनुमान भारतीय अर्थव्यवस्था की स्थिति पर अपनी रिपोर्ट में जताया है। संयुक्त राष्ट्र संघ के इस अनुमान रिपोर्ट में भारत के सकल घरेलू उत्पाद यानी जीडीपी में 6.9 प्रतिशत की वृद्धि का अनुमान लगाया है।

भारत के लिए निश्चित तौर पर यह अनुमान सुखद और उत्साहित करने वाला है। इसकी वजह यह है कि दुनिया की विकसित कही जाने वाली ज्यादातर पश्चिमी अर्थव्यवस्थाओं में लगातार गिरावट जारी है। पश्चिमी मुल्कों की अर्थव्यवस्थाओं की वृद्धि दर कमजोर होती जा रही है। पिछले कुछ वर्षों में पड़ोसी चीन की अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ रही थी। लेकिन वह अब गिरने लगी है। विश्व बैंक ने मौजूदा साल में उसकी अर्थव्यवस्था में महज साढ़े चार प्रतिशत की बढ़ोत्तरी का अनुमान लगाया था, हालांकि अब उसमें उसने थोड़ा सुधार करके उसे 5.2 प्रतिशत की बढ़त का अनुमान लगाया गया है।

आखिर भारत में यह बदलाव क्यों हो रहा है और भारतीय अर्थव्यस्था इस तरह अग्रसर क्यों है? इसकी मोटी वजह यहां तेजी से विकसित हो रहा बुनियादी ढांचा है। बुनियादी ढांचे में भारत में निवेश लगातार बढ़ रहा है। इसके साथ ही भारत में निर्माण गतिविधियां भी तेज हैं। यह भी सच है कि भारत के लिए यहां की बेतहाशा बढ़ी जनसंख्या भी चुनौती बन रही है। लेकिन इसके साथ ही कटु सत्य यह है कि बढ़ती जनसंख्या के चलते उपभोक्ता बाजार तेजी से बढ़ता है। उसमें खपत के लिए निर्माण और उत्पाद का दायरा बढ़ता है। यह पूरी प्रक्रिया आर्थिक गतिविधियों को बढ़ाती है और इस तरह जीडीपी में बढ़ोत्तरी होती है। 140 करोड़ से अधिक की आबादी के साथ भारत दुनिया की सबसे बड़ी जनसंख्या वाला देश बन गया है। इसकी वजह से भारत के पास दुनिया का सबसे बड़ा उपभोक्ता बाजार तैयार है। इस बाजार में खपत के लिए तमाम तरह के उत्पादों की जरूरत बढ़ी है। जनसंख्या, उत्पादन, खपत और बाजार की कड़ियां इस तरह भारत में तेजी से बढ़ रही हैं। इसलिए भारतीय जीडीपी में तेजी आ रही है।

बाजार लाख बड़ा हो, अगर सरकारी नीतियां उपभोक्ता, उत्पादक, खरीददार और विक्रेता के बीच संतुलन के साथ ही नवोन्मेष को बढ़ावा देने वाली नहीं होती तो आर्थिक गतिविधियां तेज नहीं होती। इस संदर्भ में मोदी सरकार को भी श्रेय दिया जाना चाहिए, जिसने भारतीयता की सोच के साथ देसी दुनिया को वैश्विक आधारों से जोड़ने के साथ ही भारत को उत्पादन का हब बनाने वाली नीतियों को बढ़ावा दिया है। नीतियों का ही असर है कि भारत में साल 2014 की 350 की तुलना में इन दिनों एक लाख तीस हजार स्टार्ट अप हैं। जिनमें यूनिकॉर्न यानी एक अरब की पूंजी वाले स्टार्टअप की संख्या सौ से ज्यादा है। इसके साथ ही सात में पहली बार जीएसटी यानी वस्तु एवं सेवा कर से वसूली 2 लाख करोड़ रुपये के पार हो गई है। मौजूदा साल के अप्रैल में कुल जीएसटी वसूली 2.1 लाख करोड़ रुपये रही, जो साल 2023 के अप्रैल के मुकाबले 12.4 फीसद ज्यादा है। इसमें सबसे ज्यादा योगदान घरेलू लेन-देन का रहा, जिसमें पिछले साल के मुकाबले 13.4 फीसद बढ़ गया। पिछले साल अप्रैल में सरकार को 1.87 लाख करोड़ रुपये की जीएसटी वसूली हुई थी।

वित्त मंत्रालय के एक मई को बताया कि रिफंड के बाद अप्रैल महीने की शुद्ध जीएसटी वसूली 1.92 लाख करोड़ रुपये रही है। जो इसी पिछले साल की इसी अवधि के मुकाबले 17.1 प्रतिशत ज्यादा है। साल 2017 में जबसे जीएसटी कानून लागू हुआ है, हर साल इसमें बढ़ोत्तरी होती जा रही है। जीएसटी लागू होने के फौरन बाद 2017-18 में जहां औसत जीएसटी एक लाख करोड़ रुपये से कम रही, वहीं, कोरोनाकाल के बाद 2020-21 से यह लगातार बढ़ रही है। साल 2022-23 में जीएसटी वसूली औसतन 1.51 लाख करोड़ रुपये हर महीने रही है। यह बढ़ोत्तरी ही बताने के लिए काफी है कि भारतीय अर्थव्यवस्था किस कदर बढ़ रही है।

"आखिर भारत में यह बदलाव क्यों हो रहा है और भारतीय अर्थव्यस्था इस तरह अग्रसर क्यों है? इसकी मोटी वजह यहां तेजी से विकसित हो रहा है। बुनियादी ढांचा है। बुनियादी ढांचे में भारत में निवेश लगातार बढ़ रहा है। इसके साथ ही भारत में निर्माण गतिविधियां भी तेज हैं।

चार जून को आने वाले चुनाव नतीजों के बाद उम्मीद की जा रही है कि एक बार फिर मोदी सरकार ही आएगी। विपक्षी दलों ने अपनी नीतियों में आर्थिक मोर्चे पर कुछ समाजवादी और वाम वैचारिकी प्रेरित योजनाएं लाने का वादा जरूर किया है। लेकिन यह भी सच है कि भारतीय अर्थव्यवस्था जिस तरह आगे बढ़ चुकी है, उसमें उनके लिए भी कुछ ज्यादा करने की गुंजाइश नहीं रहेगी। उन्हें भी मौजूदा आर्थिक चलन के ही मुताबिक आगे बढ़ना होगा। भले ही वे जीएसटी को कम करने या उसका ढांचा सुधारने का वादा करते रहे हों, लेकिन उनके लिए भी आमूलचूल बदलाव ला पाना आसान नहीं होगा। क्योंकि इस दिशा में भारतीय अर्थव्यवस्था बेहद आगे बढ़ चुकी है।

भारत सदियों से कृषि संस्कृति वाला देश है। भारत की दो तिहाई आबादी सीधे खेती-किसानी से जुड़ी है। भारतीय खेती मानसून की बेहतरी पर ज्यादा निर्भर है। मौसम विभाग ने अनुमान जताया है कि आने वाले साल में मानसून सामान्य रहेगा। इसका मतलब यह है कि अगले साल भी खेती - किसानी में बेहतर स्थिति रहेगी। उत्पादन बढ़ेगा और इसकी वजह से भारत के अन्न भंडार भरे रहेंगे। इसकी वजह से ग्रामीण इलाकों में खरीद में तेजी आएगी। मानसून बेहतर रहता है तो भारत के दूर- दराज के बाजारों में भी आर्थिक गतिविधियां तेज रहती हैं। इसकी वजह से भी भारतीय आर्थिकी तेजी से आगे बढ़ती रहेगी।

भारत की प्राचीन ज्ञान परंपरा, संस्कृति और सभ्यता भी दुनिया की नजरों में और आकर्षक हो सकती है। इसकी वजह से नए तरह की उत्पादकता भी भारत में दिख सकती है। सभ्यता, संस्कृति, तीर्थाटन और पर्यटन के साथ ही भारतीय पारंपरिक चिकित्सा व्यवस्था और योग भारत की अनुपम संपत्ति हो सकते हैं। इसे देखते हुए भारत की मौजूदा सरकार ने देश के स्वास्थ्य ढांचा को पहले की तुलना में बेहतर करना शुरू किया है। कोरोना काल के हालात की वजह से पारंपरिक भारतीय चिकित्सा व्यवस्था, भारतीय ज्ञान परंपरा, योग आदि की भी दुनिया में मांग बढ़ी है। दुनिया इनकी ओर उम्मीदभरी नजरों से देख रही है। इनकी वजह से भारत में विदेशों से धन भी आ रहा है। भारतीय तीर्थाटन की परंपरा को राम मंदिर, महाकाल मंदिर और विश्वनाथ कारीडोर जैसे नए मंदिरों और धार्मिक केंद्रों की ओर दुनियाभर से आ रहे श्रद्धालुओं की वजह से बुनियादी ढांचे और पर्यटन गतिविधियां बढ़ रही हैं। भारतीय अर्थव्यवस्था को इनके जरिए भी तेजी मिलने का अनुमान जताया जा रहा है। भारतीय पर्यटन केंद्रों की अभी तक पूरी तरह से वैश्विक पहचान और ध्यान नहीं मिल पाया है। इस क्षेत्र में अभी काम किया जाना बाकी है। नए भारत में इस दिशा में भी सोचा जाना होगा। जब इनकी ओर ध्यान जाएगा, तो वैश्विक यात्रियों और सैलानियों की आवक तेज होगी और भारतीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने में इसकी भी बड़ी भूमिका होगी।

इतिहास में भारत को सोने की चिड़िया कहा जाता रहा। इकबाल ने सारे जहां से अच्छा हिंदोस्तां हमारा गीत लिखकर भारत की इस समृद्ध परंपरा की महत्ता को ही दिखाने की कोशिश की है। प्राचीन काल में भारत की हैसियत विश्व गुरू की थी। भारत एक बार फिर उसी दिशा में आगे बढ़ने की ओर है। दुनियाभर में फैला भारतीय डायस्पोरा भी भारत को सालाना सौ अरब डॉलर से ज्यादा की रकम घर भेज रहा है। साल 2023 में यह रकम सवा सौ अरब डॉलर थी। जाहिर है कि सब मिलकर भारत को समृद्ध कर रहे हैं और भारतीय जीडीपी को बढ़ावा दे रहे हैं। दस साल से देश संभाल रही मोदी सरकार इसे और तेज करना चाहती है। यही वजह है कि पहले सौ दिन का एजेंडा तैयार कर लिया गया है। आने वाली सरकार पर संयुक्त राष्ट्र संघ के अनुमानों से कहीं अधिक तेज प्रदर्शन का दबाव रहेगा। क्योंकि मौजूदा चुनावों में बेरोजगारी भी बड़ा मुद्दा रही है। मौजूदा आर्थिकी के मुताबिक, अगर जीडीपी बढ़ेगी तो रोजगार भी बढ़ेगा। जाहिर है कि नई सरकार नहीं चाहेगी कि इस मुद्दे पर वह कठघरे में खड़ा हो।

-उमेश चतुर्वेदी
(लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तम्भकार हैं)

कम मतदान क्यों होता है?

इस बार के लोकसभा चुनाव में मतदान का कम प्रतिशत लोकतंत्र के लिए ठीक नहीं कहा जा सकता है। 2024 के लोकसभा चुनाव की शुरुआत से ही कम मतदान प्रतिशत से असमंजस बढ़ रहा है। लोगों का अपने मताधिकार का इस्तेमाल करने में इस प्रकार से कम दिलचस्पी लेना यकीनन मजबूत लोकतंत्र के लिए अच्छा संकेत नहीं है। आइए, इस मुद्दे का विश्लेषण करें। भारत में गरीब और अल्पसंख्यक वर्ग को वोट एक अस्त्र जैसा लगता है जिसके इस्तेमाल से वे अपनी अहमियत जता सकते हैं। तो ये लोग कोशिश करते हैं कि वोट अवश्य दें। शहरों के गरीबों में एक बड़ी संख्या प्रवासी लोगों की होती है जिनके नाम मतदाता सूची में नहीं होते हैं, जबकि गांवों में कई बार मतदान केंद्र बहुत दूर होते हैं जिसकी वजह से भी कई लोग मतदान करने नहीं जाते हैं। फिर भी कुल मतदान प्रतिशत में इस वर्ग के लोगों का प्रतिशत 30 से कम नहीं होता है। इनके द्वारा अल्पसंख्यकों की समर्थक पार्टी या जाति आधारित पार्टी या पैसा बांटने वाली पार्टी को वोट देने की संभावना ज्यादा होती है। बाकी 20 प्रतिशत मतदान निम्न मध्यम वर्ग और कुछ मध्यम वर्ग द्वारा किया जाता है। उच्च वर्ग अक्सर मतदान से विरक्त रहता है। इस प्रकार सामान्य समय में जब हम 50 प्रतिशत मतदान देखते हैं तो इसका अर्थ होता है कि लोग सरकार से न तो ज्यादा खुश होते हैं, न ज्यादा असंतुष्ट होते हैं। लेकिन जब सरकार निरंकुश, भ्रष्ट, अल्पसंख्यक तुष्टीकरण करती या निष्क्रिय प्रतीत होती है, तो मध्यम वर्ग और बहुसंख्यक वर्ग अपनी पूरी ताकत के साथ सरकार बदलने के लिए बाहर निकलता है और मतदान प्रतिशत में 15 से 20 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी हो जाती है। इस प्रकार यह देखा गया है कि जब भी मतदान 60 प्रतिशत से काफी ऊपर हो जाता है तो विपक्ष की पार्टी जीत जाती है।

जीवंत लोकतंत्र के लिए जरूरी है कि मतदाता पूरी सक्रियता और तन्मयता से चुनाव प्रक्रिया का हिस्सा बने, लेकिन इस बार के चुनाव में पहले चरण से ही देखने में आया कि मतदान के रोज अनेक मतदाता अपने परिवार के साथ घूमने-फिरने निकल पड़े। कुछ कहते सुने गए कि उनके परिवार के मत न भी पड़े तो क्या फर्क पड़ेगा? जीतने वाली पार्टी तो जीत ही जाएगी। बाहरी उम्मीदवार की मौजूदगी भी कम मतदान के उभरते हुए कारणों में एक है। बताया जा रहा है कि भीषण गर्मी होने के कारण भी मतदाता वोट करने घर से नहीं निकल रहे। चुनाव आयोग ने पहले चरण के कम वोट प्रतिशत रहने पर अपनी कोशिशें और तेज कर दी थी ताकि ज्यादा से ज्यादा मतदाता वोट करने घरों से निकलें, लेकिन मतदाता की उदासीनता टूटी नहीं। दिल्ली जैसे राजधानी शहर, जहां के निवासी बनिस्बत पढ़े-लिखे और जागरूक माने जाते हैं, में भी मत प्रतिशत पिछली दफा से भी कम रह जाना वाकई चिंता की बात है। दरअसल, एक तो चुनाव में कोई लहर नहीं बन सकी है, और चुनाव पूरी तरह स्थानीय मुद्दों पर आ सिमटा है, मगर कम मतदान को किसी भी तर्क से वाजिब नहीं ठहराया जा सकता है। कम मतदान चिंता की बात है। भारत के घटते मतदाता टर्नआउट के लिए पांच स्पष्ट कारण हैं। सामान्य तौर पर, पहला, बहुत से समृद्ध और शहरी निवासियों का मानना है कि सरकार पर निर्भर न होने के कारण उनके जीवन पर मतदान का बहुत कम बोझ है। दूसरा, प्रवासन के कारण बड़ी संख्या में लोग अपने शहरों से बाहर निकल गए हैं। तीसरा, युवा और मध्यम वर्ग के मतदाताओं को अक्सर ऐसे राजनीतिज्ञों से संबंधित करना मुश्किल हो जाता है जो आपराधिक, सामंती प्रभु या नीतिगत विशेषज्ञता के अभाव वाले सेलिब्रिटी हैं।

चौथा, कुछ लोग मतदान नहीं करते बल्कि वास्तविकता में वे मुद्दों या उम्मीदवारों से अनभिज्ञ हैं। पांचवां, मतदान को प्रोत्साहित करने के लिए सेलिब्रिटी और आधुनिक टेक्नोलॉजी का उपयोग करने में पूरी सफलता नहीं मिली है। आज तमाम राजनीतिक दल, उम्मीदवार और खुद चुनाव आयोग भी इस बात को लेकर चिंतित नजर आ रहा है कि आखिर लोग वोट देने घरों से क्यों नहीं निकले? कम वोटिंग के पीछे गर्मी बड़ा कारण भले ही न हो, लेकिन एक कारण जरूर हो सकता है। कई वर्षों के बाद अप्रैल महीने में इतनी तेज गर्मी पड़ी है। इससे कुछ फर्क पड़ता दिखाई दे रहा है। लेकिन दूसरी तरफ कम से कम मैं तो गर्मी की वजह से वोटिंग कम होने को बड़ा कारण नहीं मानता। अगर ऐसा होता तो फिर सुबह और शाम वोटिंग प्रतिशत अधिक होता, जो अभी तक ट्रेंड में दिखाई नहीं दिया। वोटर लिस्ट में वोटर और वोट देने वालों में अंतर के कई कारण हो सकते हैं। जैसे, वोटर उस समय उस स्थान पर से कहीं कार्य के लिए बाहर चला गया। वह कार्य निजी, व्यावसायिक या नौकरी का हो सकता है। करोड़ों सरकारी कर्मचारी चुनाव ड्यूटी में लगाए जाते हैं। हालांकि उनको पोस्टल बैलेट की सुविधा दी जाती है, लेकिन उसमें फार्मलिटी अधिक है। इसलिए बहुत से फॉर्म नहीं भरते। कई लोग नौकरी दूसरे शहरों में करते हैं, लेकिन वोट अपनी पुश्तैनी जगह ही बनवाया हुआ होता है। वोट के लिए ही अपने शहर या ग्राम खुद के खर्च से जाकर वोट के लिए ही लोग जा नहीं पाते। कुछ लोगों ने दो जगह भी वोट बनाया होता है, एक पुश्तैनी जगह, दूसरा नौकरी का शहर। वह एक ही जगह तो वोट डाल सकते हैं। कुछ स्टूडेंट्स दूसरी जगह पढ़ाई कर रहे होते हैं और होस्टल में या किराए पर रहते हैं। वे भी वोट डालने नहीं आ पाते।

वृद्ध लोग या अकेली गृहिणी भी वोट देने में संकोच करती है। कुछ लोग बीमार हो सकते हैं। कुछ लोगों की शादी होने पर दूसरी जगह जाने से या वोटर का निधन होने से भी वोट नहीं पड़ पाता। कुछ लोग स्विंग वोटर होते हैं, वे नार्मल परिस्थितियों में वोट देने की जहमत नहीं उठाते। ये लोग जब वर्तमान सरकार को हटाना होता है, तब दूसरे पक्ष के फेवर में वोट करते हैं। बाकी जो जिस पार्टी के वोटर हैं, वे तो अपनी-अपनी लॉयल पार्टी को वोट करते ही हैं। ये स्विंग वोटर ही मतदान का प्रतिशत बढ़ाते हैं। परंतु अगर शत-प्रतिशत मतदान नहीं हो रहा है, तो डेमोक्रेसी के लिए इससे ज्यादा दुर्भाग्यपूर्ण कुछ नहीं हो सकता। हमें मतदान को मूलभूत आवश्यकता के रूप में समझकर मतदान करना चाहिए, साथ ही औरों को भी प्रेरित करना चाहिए। मतदान एक मौलिक अधिकार और एक नागरिक कर्तव्य है। इसे अनिवार्य बनाने से अधिक लोग लोकतांत्रिक प्रक्रिया में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित होंगे और यह सुनिश्चित होगा कि सरकार लोगों की इच्छा की प्रतिनिधि है। मतदान डेमोक्रेसी की आत्मा है। गलत मतदान/मतदान नहीं करना, तटस्थ मतदान, लालच, सम्प्रदाय, जाति, पंथ, भाषा या क्षेत्रवाद से प्रेरित होकर मतदान करना किसी भी डेमोक्रेसी के लिए सही नहीं है।

-डा. वरिंद्र भाटिया
कालेज प्रिंसीपल

राशिफल

ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष : सप्तमी — **(विक्रम संवत् 2081)**

मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)
उतार-चढ़ाव बना रहेगा। आय के स्तोत्र में भी कठिनाइयां होंगी। मन-मस्तिष्क बहुत अच्छा नहीं रहेगा

वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)
नए व्यापार की शुरुआत अभी न करें। सीने में विकार संभव है। स्वास्थ्य मध्यम। प्रेम, संतान अच्छा।

मिथुन- (का, की, कु, घ, ड , छ, के, हो, हा)
अपमानित होने का भय है। यात्रा में कष्ट संभव है। कार्यों में विघ्न-बाधा आएगी। स्वास्थ्य ठीक है। प्रेम, संतान अच्छा है।

कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)
चोट-चपेट लग सकती है। किसी परेशानी में पड़ सकते हैं। परिस्थितियां प्रतिकूल हैं। स्वास्थ्य, प्रेम, व्यापार मध्यम है।

सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)
स्वयं के स्वास्थ्य पर और जीवनसाथी के स्वास्थ्य पर ध्यान दें। नौकरी-चाकरी में कठिनाइयां आएंगी।

कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। शत्रुओं पर विजय पाएंगे। गुण ज्ञान की प्राप्ति होगी। बुजुर्गों का आर्शीवाद मिलेगा।

तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)
बच्चों की सेहत पर ध्यान दें। प्रेम में तू-तू, मैं-मैं से बचें। विद्यार्थियों की यात्रा में थोड़ी कठिनाई होगी।

वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)
भूमि, भवन, वाहन की प्रॉब्लम आएगी। घर में नकारात्मक ऊर्जा का संचार होगा। मां के स्वास्थ्य पर ध्यान दें।

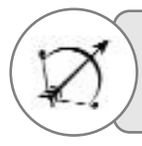

धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ढा, भे)
नाक, कान, गला की परेशानी हो सकती है। व्यापारिक स्थिति थोड़ी कमजोर दिख रही है। स्वास्थ्य, प्रेम, व्यापार मध्यम है।

मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी)
निवेश करना वर्जित रहेगा इस समय। धन-हानि के संकेत हैं। मुख रोग के शिकार हो सकते हैं। प्रेम, संतान, व्यापार अच्छा है।

कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, सो, द)
सर दर्द, नेत्र पीड़ा या अज्ञात भय सताएगा। पार्टनरशिप में प्रॉब्लम आएगी। स्वास्थ्य, प्रेम, व्यापार मध्यम है।

मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, चि)
प्रेमी-प्रेमिका की मुलाकात का मतलब गलत हो सकता है। स्वास्थ्य, प्रेम, व्यापार मध्यम है।

4 जून को होने वाली मतगणना को लेकर मतगणना कार्मिकों का प्रशिक्षण हुआ संपन्न

नोएडा (चेतना मंच)। लोकसभा सामान्य निर्वाचन 2024 के दृष्टिगत आगामी 4 जून को होने वाली मतगणना को सकुशल संपन्न करने के उद्देश्य से मुख्य विकास अधिकारी जनार्दन सिंह की अध्यक्षता में गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय के ऑडिटोरियम में मतगणना कार्मिकों का प्रशिक्षण संपन्न हुआ, जिसमें अपर जिलाधिकारी भू0/अ0 बच्चू सिंह, उप जिलाधिकारी दादरी विवेकानंद मिश्र, उप जिलाधिकारी सदर वेद प्रकाश पांडे तथा समस्त अतिरिक्त सहायक रिटर्निंग ऑफिसर उपस्थित रहे।

प्रशिक्षण में मास्टर ट्रेनर डॉक्टर धुपद व डॉक्टर महकार के द्वारा सभी मतगणना कार्मिकों को ईवीएम व पोस्टल बैलट मतपत्रों की गणना के संबंध में बहुत ही गहनता के साथ विस्तृत जानकारी उपलब्ध कराई।

लोक सभा सामान्य निर्वाचन के कार्मिक प्रभारी/मुख्य विकास अधिकारी जनार्दन सिंह ने प्रशिक्षण में उपस्थित सभी मतगणना कार्मिकों से कहा कि आप सभी भारत निर्वाचन आयोग की गाइडलाइन के अनुरूप प्रशिक्षण प्राप्त करते हुए कर्तव्यनिष्ठा के साथ अपने कार्य को अंजाम दे और कार्य में किसी भी प्रकार की शिथिलता न बरते। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार से मतदान सफलता पूर्वक कराया गया है उसी प्रकार मतगणना को भी से सकुशल संपन्न कराए।

मुख्य विकास अधिकारी द्वारा सभी मतगणना कर्मियों को निर्देशित किया गया कि प्रत्येक अधिकारी/कर्मचारी ईमानदारी और कर्तव्यनिष्ठा के साथ अपने दायित्व का निर्वहन करेंगे।

उन्होंने कहा कि जिस जोश और उत्साह के साथ मतदान संपन्न कराया गया है उसी उत्साह और जोश के साथ मतगणना को भी सम्पन्न करना सुनिश्चित करेंगे। मतगणना स्थल पर सभी कार्मिकों के लिए मूलभूत आवश्यकताओं की पूर्ति की जाएगी। गर्मी को देखते हुए कूलर, पंखा, भोजन, पानी सहित अन्य सुविधाओं का पूरा इंतजाम किया जाएगा। उन्होंने बताया कि सभी मतगणना कार्मिकों का द्वितीय प्रशिक्षण आगामी 1 जून 2024 को गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय के ऑडिटोरियम में संपन्न कराया जाएगा, सभी मतगणना कार्मिक उपस्थित होकर द्वितीय प्रशिक्षण भी बहुत ही गहनता के साथ प्राप्त करें।

किसान एकता संघ ने दी चेतावनी

किसानों से टोल टैक्स वसूला गया तो होगा आंदोलन

दनकौर(चेतना मंच)। किसान एकता संघ की बैठक दनकौर कोतवाली के महमूदपुर गुजरान गांव में राजबीर सिंह नागर के फार्म हाउस पर राष्ट्रीय अध्यक्ष सोरन सिंह प्रधान के सानिध्य में संपन्न हुई। बैठक का संचालन जिला अध्यक्ष पप्पे नागर ने किया। राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी रमेश कसाना ने बताया कि यमुना एक्सप्रेसवे के गलगोटिया यूनिवर्सिटी कट के टोल टैक्स पर फास्टैग लागू कर दिया गया है। जिससे क्षेत्रीय किसानों को टोल टैक्स पर टोल चुकाना पड़ेगा।

जिसका किसान एकता संघ की मांग है कि क्षेत्रीय किसानों को आईडी के आधार पर नि:शुल्क टोल पर गुजरने दिया जाए। अगर जेपी कंपनी गलगोटिया टोल पर फास्टैग अवैध रूप से किसानों से टोल वसूलेंगी तो किसान एकता संघ आंदोलन के लिए मजबूर होगी।

इस अवसर पर संगठन का विस्तार भी किया गया जिसमें सचिन नागर महमूदपुर व नवीन मावी मिलक को प्रदेश सचिव युवा,विरेन्द्र मावी को मेरठ मंडल उपाध्यक्ष,जयहिंद नागर जिला उपाध्यक्ष, करतार नागर सदर तहसील सचिव, हिमांशु तायल नगर अध्यक्ष दनकौर मलखे नागर व कृष्ण नागर को जिला कार्यकारिणी सदस्य नरेंद्र पंडित को ग्राम अध्यक्ष महमूदपुर, मोनू नागर को ग्राम अध्यक्ष राजपुर,रननी को ग्राम अध्यक्ष मिलक, बाबु नागर ग्राम उपाध्यक्ष तथा बेगी नागर को ग्राम संरक्षक मनोनीत किया गया।

इस मौके पर सोरन सिंह प्रधान, देशराज नागर, रमेश कसाना, पंडित प्रमोद शर्मा, विक्रम नागर, देवेंद्र नागर, उमेद एडवोकेट, सहदेव चोटी वाला, जयप्रकाश नागर, डॉ अजय शर्मा, ओमवीर समसपुर, नीरज कसाना, अरुण खटाना, अमित नागर, मनीष नागर, हेमराज बीडीसी,दुर्गेश शर्मा,सोनू कसाना सहित सैकड़ों लोग उपस्थित रहे।

नोएडा प्राधिकरण की टीमों द्वारा सैक्टर 50, 27, 22 व 44 में क्षेत्रवासियों को जागरूकता अभियान के माध्यम से अपने कचरे का उचित निस्तारण, सोर्स सेग्रीगेशन एवं सिंगल यूज़ प्लास्टिक प्रतिबंध आदि से जुड़े मुद्दों पर जागरूकता प्रदान की गई।

भारतीय किसान यूनियन (बलराज) संगठन के बैनर तले अनिश्चित कालीन धरना सेक्टर-142 नोएडा शहदरा गांव में 107वे दिन भी जारी रहा।

नोएडा प्राधिकरण बड़े एक्शन मोड में डिफल्टर बिल्डर पर चलाया डंडा

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा शहर की व्यवस्थाओं का संचालन करने वाला नोएडा प्राधिकरण बड़े एक्शन मोड़ में आ गया है। नोएडा प्राधिकरण ने नोएडा में सक्रिय डिफ़ाल्टर बिल्डरों पर एक्शन लेना शुरू कर दिया है। चेतना मंच ने पहले ही समाचार प्रकाशित किया था कि नोएडा में सक्रिय डिफ़ाल्टर बिल्डरों की अब खैर नहीं है। नोएडा प्राधिकरण का पहला डंडा पारस टियारा सोसायटी को बनाने वाले बिल्डर पारस इंपीरियल हाउसिंग वेंचर्स पर चला है। पारस पर नोएडा प्राधिकरण के 350 करोड़ रूपए बकाया है।

चेतना मंच ने पहले ही बताया था कि नोएडा प्राधिकरण जल्द ही नोएडा के डिफाल्टर बिल्डरों पर कड़ी चोट करने वाला है। नोएडा के सभी डिफाल्टर बिल्डरों की प्रॉपर्टी जब्त करके नोएडा प्राधिकरण हजारों करोड़ रुपए के बकाए की भरपाई करेगा। नोएडा प्राधिकरण की इस कार्रवाई की जद में दो दर्जन से ज्यादा बिल्डर आने वाले हैं। नोएडा तथा इसके आसपास बड़ी संख्या में बिल्डर सक्रिय है। इन बिल्डरों ने बड़े-बड़े

दावे करके नोएडा समेत देश भर के लाखों फ्लैट बॉयस को सपने बेचे हैं। नोएडा के बिल्डरों ने जो वादे किए थे उनमें से एक भी वायदा ज्यादातर बिल्डरों ने पूरा नहीं किया है। इतना ही नहीं नोएडा के दो दर्जन से अधिक बिल्डरों पर नोएडा प्राधिकरण के अरबो रुपए बकाया है। जब तक बिल्डर बकाया नहीं चूकता है तब तक फ्लैट बायर्स की रजिस्ट्री भी नहीं हो पाती है। अब नोएडा प्राधिकरण ने डिफाल्टर बिल्डरों की प्रॉपर्टी जप्त करके उस प्रॉपर्टी से नोएडा प्राधिकरण के बकाया की वसूली करने का फैसला किया है।

नोएडा प्राधिकरण बिल्डरों की बिना बिकी हुई संपत्ति की पहचान कर रहा है। सर्वे के माध्यम से इसकी जानकारी जुटाई जा रही है। डिफाल्टर बिल्डरों की बिना बिक्री प्रोपर्टी को बेचकर अपनी वसूली करेगा।

नोएडा के डिफ़ाल्टर बिल्डरों का इलाज करने की दिशा में नोएडा प्राधिकरण का पहला डंडा पारस टियारा सोसायटी बनाने वाले बिल्डर पारस इंपीरियल हाउसिंग वेंचर्स पर चला है। नोएडा प्राधिकरण का दावा है कि पारस कंपनी पर नोएडा प्राधिकरण के 350 करोड़ रूपये बकाया है। अपने बकाया रूपये की वसूली करने के लिए नोएडा प्राधिकरण ने पारस टियारा सोसायटी के गेट पर नोटिस लगा दिया है। नोटिस में कहा गया है कि पारस में मौजूद 179 फ्लैट अभी बिना बिक्री के हैं। इन 179 फ्लैटस को नोएडा प्राधिकरण ने अटैच कर लिया है। यह पूरी कार्यवाही नोएडा प्राधिकरण के सीईओ डा. लोकेश एम के निर्देश पर की गई है। निकट भविष्य में नोएडा प्राधिकरण नोएडा के सभी डिफ़ाल्टर बिल्डरों का इसी प्रकार से 'ईलाज' करने वाला है।

पत्नी के मायके चली जाने से निराश पति ने उठाया खौफनाक कदम

लोनी। बॉर्डर थाना की गुलाब वाटिका कॉलोनी में ससुराल में एसी नहीं लगने पर पत्नी अपने मायके चली गई। इस विवाद में एक युवक ने फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। सोनू (28) पुत्र राम अवतार अपने परिवार के साथ लोनी बॉर्डर थाना की गुलाब वाटिका कॉलोनी में रहते थे। परिवार में पत्नी ममता, मां तारा व पिता राम अवतार हैं। सोनू प्रथम मंजिल पर रहता था। स्वजन ने बताया कि करीब चार वर्ष पूर्व सोनू की शादी ममता से हुई थी। गृहक्लेश के चलते उसकी पत्नी अपने मायके थी। वह अपनी पत्नी को लोनी लाने की बात करता था, लेकिन पत्नी का कहती थी कि गर्मी बहुत है।

मतगणना कर्मियों का अगला प्रशिक्षण 1 जून को

नोएडा (चेतना मंच)। गौतमबुद्धनगर लोकसभा क्षेत्र में मतगणना कराये जाने के लिए मतगणना कर्मचारियों का प्रशिक्षण 2 जून को गौतमबुद्ध विश्वविद्यालय के प्रेक्षागृह में होगा जिसमें सभी कर्मचारियों की उपस्थिति अनिवार्य है। यह जानकारी मुख्य विकास अधिकारी (सीईओ) जनार्दन सिंह ने दी।

प्रशिक्षण में मास्टर ट्रेनर डॉ. धुपद व डॉ. महकार के द्वारा सभी मतगणना कार्मिकों को ईवीएम व पोस्टल बैलट मतपत्रों की गणना के संबंध में बहुत ही गहनता के साथ विस्तृत जानकारी उपलब्ध कराई जाएगी। उन्होंने कहा कि सभी भारत निर्वाचन आयोग की गाइडलाइन के अनुरूप प्रशिक्षण प्राप्त करते हुए कर्तव्यनिष्ठा के साथ अपने कार्य को अंजाम दे और कार्य में किसी भी प्रकार की शिथिलता न बरते। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार से मतदान सफलता पूर्वक कराया गया है उसी प्रकार मतगणना को भी से सकुशल संपन्न कराए।

उन्होंने कहा कि जिस जोश और उत्साह के साथ मतदान संपन्न कराया गया है उसी उत्साह और जोश के साथ मतगणना को भी सम्पन्न करना सुनिश्चित करेंगे। मतगणना स्थल पर सभी कार्मिकों के लिए मूलभूत आवश्यकताओं की पूर्ति की जाएगी। गर्मी को देखते हुए कूलर, पंखा, भोजन, पानी सहित अन्य सुविधाओं का पूरा इंतजाम किया जाएगा। अपर जिलाधिकारी भू0/अ0 बच्चू सिंह, उप जिलाधिकारी दादरी विवेकानंद मिश्र, उप जिलाधिकारी सदर वेद प्रकाश पांडे तथा समस्त अतिरिक्त सहायक रिटर्निंग ऑफिसर उपस्थित रहे।

पृष्ठ एक के शेष....

स्टेडियम में आज...

लेबर चौक पर काफी इंतजाम शुरू करने के निर्देश दिए। यहां पर लेबर के बैठने के लिए शेड व पानी के लिए प्याऊ की व्यवस्था करवाई है। इसके अलावा उनको सस्ता भोजन उपलब्ध कराने के लिए भी मातहत अफसरों को निर्देश दिये हैं।

बता दें कि अभी तक जितने सीईओ आए उन्होंने बेशक बेहतर विकास कार्यों को कराया है लेकिन गरीबों व मजदूरों की सुविधा को लेकर कोई मानवीय कदम नहीं उठाया। इस दिशा में सीईओ डा. लोकेश एम के इन प्रयासों की काफी सराहना हो रही है।

पुलिस मुठभेड़ में...

उसका साथी बदमाश अंधेरे का फायदा उठाकर मौके से भाग गया। उसकी तलाश में पुलिस छापेमारी कर रही है। उन्होंने बताया कि मुठभेड़ में घायल बदमाश के खिलाफ राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के विभिन्न थानो में दर्जन भर मुकदमे दर्ज हैं। यह बदमाश लूटपाट करने के लिए कुख्यात है।

नोएडा में जीआईपी...

और 52 ए में दुकानें/अन्य स्थान आवंटित करने का वादा करके लगभग 1,500 निवेशकों से 400 करोड़ रुपये से अधिक एकत्रित किए। बता दें, इंटरनेशनल एम्यूजमेंट लिमिटेड, इंटरनेशनल रिक्रिएशन एंड एम्यूजमेंट लिमिटेड (आईआरएएल) की होल्डिंग कंपनी है।

हालांकि, कंपनी निवेशकों को समय पर दुकानें देने में नाकामयाब रही। साथ ही निवेशकों को मासिक भुगतान भी नहीं दिया गया था। कंपनी ने निवेशकों के धन का गबन किया और धन को उससे संबद्ध व्यक्तियों/संस्थाओं के पास रखा, जिसका इस्तेमाल व्यक्तिगत लाभ के लिए किया गया।

प्रदेश में जानलेवा...

बुधवार को प्रयागराज का अधिकतम तापमान 48.8 डिग्री पहुंच गया, जबकि कानपुर 48.4 डिग्री के साथ दूसरा सबसे गर्म शहर रहा। आंचलिक मौसम विज्ञान केन्द्र के वरिष्ठ मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह के मुताबिक, बुधवार को भीषण गर्मी के बीच अधिकतम तापमान सामान्य से 7 डिग्री तक अधिक रहा। जबिक रात का पारा भी 6 डिग्री से अधिक दर्ज हुआ।

आज थम जायेगा...

वोटिंग होगी। इसमें उत्तर प्रदेश की 13 सीटों, बिहार की 8, ओडिशा की 6, झारखंड की 3, हिमाचल प्रदेश की 4, पश्चिम बंगाल की 9 और चंडीगढ़ की 1 सीट शामिल हैं। एनडीए और इंडिया गठबंधन के लिए यही दौर अंतिम और यही दौर भारी रहने वाला है। उत्तर प्रदेश में 7वें चरण की 13 सीटों पर 1 जून को मतदान होना है। 13 लोकसभा सीटों पर शाम 6 बजे प्रचार थमेगा। 7वें चरण में महराजगंज, गोरखपुर, कुशीनगर देवरिया, बांसगांव, घोसी, सलेमपुर, बलिया, गाजीपुर, चंदौली, वाराणसी, मिर्जापुर, रॉबर्ट्सगंज लोकसभा सीट पर वोटिंग होगी। सातवें चरण में वाराणसी में भी चुनाव होगा। ये वही सीट है, जहां से पीएम मोदी तीसरी बार चुनाव लड़ रहे हैं। इसके अलावा वाराणसी से प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ कांग्रेस ने पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय को मैदान में उतारा है। इसके अलावा गोरखपुर से रवि किशन, गाजीपुर से मुख्तार अंसारी के भाई अफजल अंसारी जैसे दिग्गज सातवें चरण में चुनाव मैदान में हैं।

हिंदू रक्षा दल के...

अधिकारियों ने उन्हें नीचे पार्किंग स्थल में बुलाया। कमलेश्वर व जयप्रकाश तोमर जैसे ही बिल्डिंग के नीचे पहुंचे तो पिंकी चौधरी उर्फ भूपेंद्र तोमर अपने बेटे व तीन-चार साथियों के साथ आए और आते ही उनके साथ मारपीट शुरू कर दी। जीडीए अधिकारियों के विरोध करने के बाद उन्होंने जीडीए अधिकारी के साथ भी बदसलूकी कर उन्हें भगा दिया। इस घटना का सीसीटीवी फुटेज भी वायरल हुआ है। सोसायटीवासी जब दोनों को बचाने के लिए नीचे पहुंचे तो उन्हें भी गोली मारने की धमकी दी गई।

सोसाइटी में घुसकर जीडीए के अधिकारी और निवासियों के साथ बदसलूकी करने वाले पिंकी चौधरी उर्फ भूपेंद्र तोमर हिंदू रक्षा दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं और पहले भी कई मामलों में विवादित रहे हैं।

गाजियाबाद पुलिस कमिश्नरेट के एसीपी रजनीश कुमार उपाध्याय ने बताया कि मामले की रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। हिंदू रक्षा दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष पिंकी चौधरी और उनके बेटे समेत 6 लोगों पर मारपीट और जान से मारने की धमकी देने का मुकदमा दर्ज है। उन्होंने बताया कि अपार्टमेंट और उसके आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे की फुटेज की जांच की जा रही है।

सड़क हादसों...

जहां पर उनकी मौत हो गई।

दिल्ली के मयूर विहार में हुए एक सड़क हादसे में गंभीर रूप से घायल व्यक्ति संदीप (26 वर्ष) को उपचार के लिए नोएडा के जिला अस्पताल में भर्ती करवाया गया था। वहां पर उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई है।

दैनिक चेतना मंच
भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।
डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99
RNI No. 69950/98
स्वामी मुद्रक प्रकाशक रामपाल सिंह रघुवंशी ने बीएफएल इन्फोटेक लि. सी-9, सेक्टर-3, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (यू पी.) से छपवाकर, ए-131 सेक्टर-83, नोएडा से प्रकाशित किया।
संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी
Contact:
0120-2518100, 4576372, 2518200
Mo.: 9811735566, 8750322340
E-mail:
chetnamanch.pr@gmail.com
raghuvanshirampal365@gmail.com
raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in
www.chetnamanch.com

एनएसडीसी और आईएलओ ने कौशल विकास और आजीवन सीखने को बढ़ावा देने के लिए एक रणनीतिक साझेदारी की घोषणा की

नई दिल्ली, एजेंसी। स्किल इंडिया मिशन को आगे बढ़ाते हुए, कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय (एमएसडीई) और अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन (आईएलओ) के तत्वावधान में राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (एनएसडीसी) ने आज भारत और विश्व स्तर पर कौशल विकास और आजीवन सीखने को आगे बढ़ाने के लिए एक रणनीतिक साझेदारी की घोषणा की। इस साझेदारी का उद्देश्य दुनिया भर में व्यक्तियों को आवश्यक दक्षताओं और योग्यताओं से लैस करके सशक्त बनाना है, जिससे रोजगार क्षमता और सतत आर्थिक विकास में वृद्धि हो सके।

इस समझौता ज्ञापन पर एनएसडीसी के सीईओ और एनएसडीसी इंटरनेशनल के एमडी श्री वेद मणि तिवारी और आईएलओ के एम्प्लॉयमेंट पॉलिसी, जॉब क्रिएशन एंड लाइवलीहुड डिपार्टमेंट के डारेक्टर श्री संघोन ली ने हस्ताक्षर किए। इस साझेदारी में टैलेंट डेवलपमेंट में अपनी ताकत और विशेषज्ञता का लाभ उठाने के लिए दोनों संगठनों की प्रतिबद्धता की पुष्टि की गई है। यह साझेदारी प्रभावी नीतियों, गवर्नेंस और फाइनेंसिंग स्ट्रक्चर को विकसित करने के लिए समर्पित है जो राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कौशल

विकास को बढ़ाएगी। इस साझेदारी का एक प्रमुख पहलू स्किल इंडिया डिजिटल हब (सिद्ध) का कार्यान्वयन है। यह डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन कौशल विकास पहलों को सुव्यवस्थित करेगा, उनकी दक्षता, पहुंच और वैश्विक प्रभाव को बढ़ाएगा।

भारत सरकार के कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय के सचिव श्री अतुल कुमार तिवारी ने साझेदारी की सराहना करते हुए कहा कि, ÷हमें खुशी है कि हमारी साझेदारी का एक प्रमुख पहलू स्किल इंडिया डिजिटल हब (सिद्ध) को अपनाना है और आईएलओ के सदस्य देशों में सरकारों, श्रमिकों और एम्प्लॉयर ऑर्गेनाइजेशन, कॉस्ट-इफेक्टिव मॉडल के आधार पर सिस्टम, प्रोसेस, स्किल डिलिवरी और जॉब मैचिंग को डिजिटल बनाने के लिए सिद्ध का उपयोग करने में सक्षम होंगे। यह डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन कौशल विकास पहलों की दक्षता को बढ़ाएगा, जिससे वे विश्व स्तर पर अधिक सुलभ और प्रभावशाली बनेंगे। एमएसडीई में, हम ऐसी नीतियाँ और प्लेटफॉर्म बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं जो हमारी प्रतिभा को राष्ट्रीय और वैश्विक स्तर पर सफल होने के लिए आजीवन सीखने और निरंतर कौशल विकास का समर्थन करते हैं। सिद्ध इस प्रतिबद्धता का उदाहरण है और यह साझेदारी सीमाओं के पार कौशल विकास के माध्यम से व्यक्तियों को सशक्त बनाने के हमारे साझा मिशन को दर्शाती है।÷

उन्होंने आगे कहा कि, ÷स्किलिंग, रीस्किलिंग और अपस्किलिंग के प्रति हमारी प्रतिबद्धता के साथ आईएलओ की विशेषज्ञता को जोड़कर, हमारा उद्देश्य व्यक्तियों को व्यवधानों से निपटने और एक स्थायी भविष्य बनाने के लिए सशक्त बनाना है। साथ मिलकर, हम कौशल को बढ़ाएंगे और रोजगार क्षमता को बढ़ावा देंगे, जिससे उभरते जॉब मार्केट में प्रभावशाली बदलाव आएगा।÷

इस साझेदारी का उद्देश्य सेक्टर स्किल काउंसिल (एसएससी) को बढ़ाने, माइक्रो-क्रेडेंशियल्स विकसित करने और ग्लोबल नॉलेज शेयरिंग प्लेटफॉर्म के माध्यम से रिकॉग्नाइजेशन ऑफ प्रायर लर्निंग (आरपीएल) को बढ़ावा देने के लिए पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप और नॉलेज एक्सचेंज की सुविधा प्रदान करना है। स्किल और क्वालिफिकेशन की कंपैरेबिलिटी को मजबूत करके, संभावित गंतव्य देशों में आवश्यक लोगों के साथ भारतीय श्रमिकों के कौशल और योग्यताओं का आकलन और तुलना करने के लिए डिजिटल टूल्स विकसित किए जाएंगे, जिससे भारतीय श्रमिकों के लिए गतिशीलता और वैश्विक रोजगार संभावनाओं में सुधार होगा।

साझेदारी पर बोलते हुए एनएसडीसी के सीईओ और एनएसडीसी इंटरनेशनल के एमडी श्री वेद मणि तिवारी ने कहा, ÷आईएलओ और एनएसडीसी के बीच समझौता ज्ञापन भारत में स्किल इकोसिस्टम के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। यह साझेदारी वैश्विक अवसरों के लिए भारतीय युवाओं का एक पूल बनाने में मदद करेगी क्योंकि साझेदारी का उद्देश्य भारतीय योग्यताओं को वैश्विक कौशल मानकों के साथ संरेखित करना और बेंचमार्क करना है। भारत जीसीसी के लिए एक पसंदीदा गंतव्य बन गया है, जिससे भारतीय युवाओं के लिए पूरी दुनिया के लिए दूर से डिलिवर्ड नॉलेज वर्क में भाग लेने के अवसर खुल गए हैं। स्किल्ड माइग्रेशन पर सरकार का ध्यान उन लोगों के लिए अवसर खोलता है जो अंतरराष्ट्रीय कार्यबल में शामिल होने के लिए माइग्रेट करना चाहते हैं। हम साउथ एशियन क्वालिफिकेशन फ्रेमवर्क जैसे रिजनल क्वालिफिकेशन फ्रेमवर्क को विकसित करने के लिए आईएलओ के साथ काम करने के लिए भी उत्साहित हैं, जिससे हमारे पड़ोसी देशों के युवाओं को भी मदद मिलेगी। एनएसडीसी की साझेदारी आईएलओ के सदस्य देशों को एनएसडीसी डिजिटल सर्विस प्रदान करने में भी मदद करेगी।÷

खास खबर

भारत में लगभग दो-तिहाई घरों में पी एंड जी उत्पादों का उपयोग होता है : श्रीनिवासन

मंडीदीप , एजेंसी। व्हिस्पर, एरियल, जिलेट, पैम्पर्स आदि ब्रांडों के निर्माता प्रॉक्टर एंड गैंबल इंडिया (पी एंड जी इंडिया) द्वारा समानता और समावेशन पर पांचवां शिखर सम्मेलन वीसीइक्वल संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम में समानता और समावेशन के क्षेत्र के विशेषज्ञों और अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया। उन्होंने कंपनी के कर्मचारियों से विभिन्न विषयों पर प्रभावी बातचीत की। इस कार्यक्रम में परिवार, मानसिक कल्याण, सच्ची समानता और समावेशन के विभिन्न पहलुओं पर विशेषज्ञों और कर्मचारियों के बीच शानदार बातचीत हुई। कर्मचारियों को सकारात्मक परिवर्तन लाने के लिए और सामूहिक सार्थक कार्रवाई करने के लिए प्रेरित करना कार्यक्रम का उद्देश्य था। यह कार्यक्रम पी एंड जी के भारत में स्थित सभी ऑफिसेस पर एक साथ प्रसारित किया गया। मंडीदीप में पी एंड जी इंडिया विनिर्माण सुविधा के कर्मचारी बड़ी संख्या में संवाद में भाग लेने के लिए उपस्थित हुए। इस अवसर पर बोलते हुए, 'पी एंड जी इंडिया' के वित्त प्रभाग की वरिष्ठ निदेशक तथा समानता और समावेशन पहल की प्रायोजक मृणालिनी श्रीनिवासन ने कहा, ÷भारत में लगभग दो-तिहाई घरों में पी एंड जी उत्पादों का उपयोग होता हैं।

सिगाची इंडस्ट्रीज़ लि. ने चौथी तिमाही के लिए शानदार आय की घोषणा की

मुंबई, एजेंसी। सिगाची इंडस्ट्रीज़ लिमिटेड, एक्टिव फार्मास्युटिकल इनग्रेडिएंट, क्वॉलिटी अनुद्रव्य (दवा बनाने में सहायक पदार्थ), विटामिन मिनरल न्यूट्रिशन न्यूट्रिएंट ब्लेंड और ओ एंड एम सर्विसेज़ में लगी एक लीडिंग फार्मास्युटिकल कंपनी, ने 27 मई 2024 को आयोजित अपनी बोर्ड मीटिंग में 31 मार्च 2024 को समाप्त तिमाही और वर्ष के लिए अपने ऑडिटेड फाइनेंशियल रिज़ल्ट्स की घोषणा की। बोर्ड ने सदस्यों की मंजूरी के अधीन, प्रति शेयर 0.10 रुपये के लाभांश की भी सिफारिश की। 31 मार्च 2024 को समाप्त तिमाही के लिए, कंपनी ने ऑपरेशनल रेवेन्यू 104 मिलियन रुपये रिपोर्ट किया,जो सालाना आधार पर 43.78 प्रतिशत की वृद्धि है। एबिटा सालाना आधार पर 33.60 प्रतिशत बढ़कर 122 मिलियन रुपये (फाइनेंशियल ईयर 23 की चौथी तिमाही) से 163 मिलियन रुपये (फाइनेंशियल ईयर 24 की चौथी तिमाही) हुआ। एबिटा मार्जिन 116 बीपीएस गिरकर 16.81 प्रतिशत से 15.65 प्रतिशत (फाइनेंशियल ईयर 24 की चौथी तिमाही) हो गया। शुद्ध लाभ सालाना आधार पर 108.22 प्रतिशत बढ़ गया और 73 मिलियन रुपये (फाइनेंशियल ईयर 23 की चौथी तिमाही) से 151 मिलियन रुपये (फाइनेंशियल ईयर 24 की चौथी तिमाही) हुआ।

नारायण सेवा संस्थान का मॉड्युलर आर्टिफिशियल लिम्ब केम्प 2 जून को

इंदौर । उदयपुर राजस्थान के नारायण सेवा संस्थान द्वारा एमपी के इंदौर में पहली बार दिव्यांगों के कल्याणार्थ निःशुल्क आर्टिफिशियल लिम्ब शिविर का आयोजन रविवार 2 जून को मथुरा महल मैरिज गार्डन, मानक बाग रोड़,चौईथ राम हॉस्पिटल के पास आयोजित होगा। संस्थान निदेशक ट्रस्ट्री देवेंद्र चौबीसा के अनुसार ऐसे लोग जो जन्मजात या किसी हादसे अथवा बीमारी के चलते अपना हाथ-पैर गंवा देने से अंगविहिन हुए है,उन दिव्यांगों को शारीरिक रूप से सक्षम और सशक्त बनाने के लिए संस्थान प्रतिबद्ध है। पदमश्री अलंकृत संस्थापक कैलाश मानव एवं अध्यक्ष प्रशांत अग्रवाल की प्रेरणा से संस्थान विगत 39 वर्षों से मानवता के क्षेत्र में सेवारत है। एमपी के दिव्यांग जनों को मदद पहुंचाने के संकल्प से विशाल निःशुल्क नारायण आर्टिफिशियल लिम्ब मैजरमेंट शिविर मथुरा महल मैरिज गार्डन, चोइथराम हॉस्पिटल के पास, इन्दौर में रविवार 2 जून को प्रातः 8 बजे से सांय 6 बजे तक चलेगा। शिविर में दिव्यांग बन्धुओं को संस्थान के अनुभवी एवं विशेषज्ञ ओर्थोटिस्ट एवं प्रॉस्थेटिक डॉक्टर्स टीम द्वारा देखा जाएगा।

महिन्द्रा युनिवर्सिटी के विद्यार्थियों ने ग्लोबल इन्नोवेशन चैलेंज में शीर्ष सम्मान हासिल किया

नई दिल्ली/हैदराबाद, एजेंसी। महिन्द्रा युनिसिटी के विद्यार्थियों ने अत्यधिक प्रतिस्पर्धी यूएस युनिवर्सिटी चैलेंज में द्वितीय और तृतीय स्थान हासिल किया है। इस युनिवर्सिटी से दो टीमें दि बॉबसन कॉलेबोरेटिव ग्लोबल स्टुडेंड चैलेंज 2024 में अंतिम दौर में पहुंचीं और दोनों ही विजेता बनकर उभरीं। इस वर्ष 20 देशों से 25 स्कूलों से 2,414 विद्यार्थियों ने इस प्रतिष्ठित प्रतिस्पर्धा में प्रतिभाग किया।

इस प्रतिस्पर्धा में दूसरा स्थान ÷हार्वेस्टेड रोबोटिक्स÷ की टीम ने हासिल किया जिसमेंपांच विद्यार्थी- राहुल आरेपका, प्रणव मोगली, साई फणी, संजय प्रमोद और अतिन साकीर शामिल थे। उनकी परियोजना का लक्ष्य एडवांस्ड लेजर्स एवं रोबोटिक्स टेक्नोलॉजी के जरिए किसानों को रसायन मुक्त वीड मैनेजमेंट सॉल्यूशन उपलब्ध कराके कृषि क्षेत्र में क्रांति लाना है।

प्रतिस्पर्धा में तीसरा स्थान एक्स्ट्राइव इन्नोवेशंस नाम की परियोजना ने हासिल किया। इस टीम में चार विद्यार्थी- अभिषेक प्रताप, रौनक ओइनम, प्रेम निंगोमबाम और यशस्वी माटला शामिल थे। इस टीम ने कर्मचारी के आराम और उत्पादकता में सुधार करते हुए कार्यस्थल की सुरक्षा और दक्षता बढ़ाने के लिए एक एर्गोनॉमिक, किफायती एक्सोस्केलेटन डिजाइन किया है। यह पेशेवर स्वास्थ्य और एर्गोनॉमिक्स में महत्वपूर्ण मुद्दों को हल करता है जिससे औद्योगिक कार्य वातावरण पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ता है। उद्यमशीलता में अपने अकादमिक कार्यक्रम के लिए उच्च रेटिंग प्राप्त और प्रख्यात मैसेचुसेट स्थित बॉबसन कॉलेज यह वार्षिक प्रतियोगिता आजोयित करता है। इस प्रतियोगिता का जोर संयुक्त राष्ट्र के टिकाऊ विकास लक्ष्यों (एसडीजी) को पूरा करने वाली अनूठी व्यवसायिक अवधारणाओं पर होता है।

फ्रैंकलिन इंडस्ट्रीज लिमिटेड का 38.83 करोड़ रुपए का राइट्स इश्यू 24 मई को खुला

राइट्स इश्यू के तहत 24 मई, 2024 को बंद भाव 7.50 रुपए प्रति शेयर के मुकाबले 3.58 रुपये के भाव पर शेयर किए गए हैं ऑफर

अहमदाबाद, एजेंसी। कृषि वस्तुओं के व्यापार और कांट्रैक्ट फार्मिंग सर्विसेज देने वाली गुजरात आधारित कंपनी फ्रैंकलिन इंडस्ट्रीज लिमिटेड (बीएसई - 540190) का 38.83 करोड़ का राइट्स इश्यू 24 मई, 2024 को खुल गया है। इश्यू के माध्यम से जुटाए गए धन का उपयोग कार्यशील पूंजी आवश्यकताओं को पूरा करने, कंपनी की विस्तार योजनाओं में पूंजी लगाने और सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों की पूर्ति हेतु किया जाएगा। राइट्स इश्यू के तहत 24 मई, 2024 को बंद भाव 7.50 रुपए प्रति शेयर के मुकाबले 3.58 रुपये का भाव तय किया गया है और राइट्स इश्यू 11 जून 2024 को बंद हो जाएगा। कंपनी 3.58 प्रति इक्विटी शेयर (2.58 रुपये प्रति इक्विटी शेयर के प्रीमियम सहित) के भाव पर 1 रुपए फेसवैल्यू के नगद 10,84,50,000 पूर्ण चुकता इक्विटी शेयर जारी करेगी। प्रस्तावित राइट्स इश्यू के लिए (रिकॉर्ड तिथि - 13 मई, 2024 को इक्विटी शेयरधारकों द्वारा रखे गए प्रत्येक 1 पूर्ण भुगतान वाले इक्विटी शेयर के लिए 1 रुपये के फेसवैल्यू के 3 राइट्स इक्विटी शेयर) राइट्स एंटाइटेलमेंट अनुपात 3:1 पर तय किया गया है । ऑन-मार्केट राइट्स एंटाइटेलमेंट के त्याग की अंतिम तिथि 5 जून, 2024 है। कंपनी इश्यू से प्राप्त राशि 38.83 करोड़ रुपये में से कार्यशील पूंजी की आवश्यकताओं के लिए 29.26 करोड़ रुपये और सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों की पूर्ति के लिए 9.31 करोड़ रुपए खर्च करेगी।

1983 में निगमित, फ्रैंकलिन इंडस्ट्रीज लिमिटेड कृषि वस्तुओं, जैसे गेहूं, चावल, मक्का, सब्जियां (शिमला मिर्च, टमाटर, आदि सहित), फल (आम, तरबूज, अंगूर, आदि सहित) और अन्य कृषि उत्पाद के व्यापार के व्यवसाय में संलग्न है। कंपनी ने हाल ही में अपने व्यवसाय संचालन में विविधता लाने के लिए कांट्रैक्ट फार्मिंग बिजनेस में रणनीतिक पहल की घोषणा की है। गौरतलब है कि कांट्रैक्ट फार्मिंग व्यावसायिक ढांचे के भीतर विस्तार और नवाचार के लिए महत्वपूर्ण संभावनाएं प्रदान करती है। यह पहल कृषि पद्धतियों को अनुकूलित करने, तकनीकी प्रगति का लाभ उठाने और स्थानीय किसानों और कृषि हितधारकों के साथ पारस्परिक रूप से लाभप्रद साझेदारी स्थापित करने के कंपनी के दृष्टिकोण के अनुरूप है।

क्यूएमएस मेडिकल एलाइड सर्विसेज का वित्त वर्ष 24 का कर बाद लाभ 41 प्रतिशत बढ़ा

मुंबई, एजेंसी। मेडिकल प्रोडक्ट्स के विस्तृत रेंज की मार्केटिंग एवं वितरण में प्रवृत्त और मरीज सेवा प्रोग्राम को प्राथमिकता देने वाली, क्यूएमएस मेडिकल एलाइड सर्विसेज लिमिटेड (एनएसई ङ्क क्यूएमएसमेडि) ने वित्त वर्ष 24 और वित्त वर्ष 24 की चौथी तिमाही के अपने ऑडिटेड वित्तीय परिणामों की घोषणा की है. कुल आय 16.99 प्रतिशत वार्षिक बढ़कर ?122.58 करोड़ हुई . एबिटडा 55.83 प्रतिशत वार्षिक बढ़कर ?18.80 करोड़ हुआ .एबिटडा मार्जिन 382 बीपीएस वार्षिक बढ़कर 15.34 प्रतिशत हुई . कर बाद लाभ 41.14 प्रतिशत वार्षिक बढ़कर ?9.00 करोड़ हुआ . कर बाद लाभ (प्रतिशत) 126 बीपीएस वार्षिक बढ़कर 7.34 प्रतिशत हुआ . ईपीएस 29.23 प्रतिशत वार्षिक बढ़कर ?5.04 हुई

, प्रदर्शन पर टिप्पणी करते हुए कंपनी के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर श्री महेश मखीजा ने कहा मैं सहर्ष समीक्षाधीन अवधि के दौरान क्यूएमएस मेडिकल एलाइड सर्विसेज लिमिटेड की उल्लेखनीय ग्रोथ ट्रांजेक्ट्री पर प्रकाश डालता हूं.हमारे मरीज सेवा प्रोग्राम में बढ़ोतरी, हेल्थ केयर पहुंच बढ़ाने के प्रयास और राष्ट्रव्यापी वेल बीइंग की ओर बढ़ने के प्रति हमारी प्रतिबद्धता के चलते वित्तीय प्रदर्शन में उल्लेखनीय सुधार हुआ है. सारथी हेल्थ केयर प्राइवेट लिमिटेड का हमारा हाल का अधिग्रहण हमारे भविष्य में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करेगा और हमें सेवा का अति व्यापक पोर्टफोलियो प्रदान करने में समर्थ बनाएगा जिससे उद्योग में हमारी स्थिति और मजबूत होगी.. हम व्यूहात्मक रूप से हमारी हेल्थकेयर सेवाओं का विस्तार कर रहे हैं और पहुंच बढ़ा रहे हैं जिससे हम भारत के फलते-फूलते फार्मा और हेल्थ केयर उद्योग के अंदर उपलब्ध सुअवसरों का लाभ लेने की स्थिति में आ रहे हैं. इनोवेशन, पेशेंट आउटकम और सस्टेनेबिलिटी हमारी निरंतर सफलता को आगे बढ़ाएगी.

फास्ट्रैक ने लॉन्च किया फ्लीक: पार्टी के लिए खास संग्रह जो हर किसी को अपनी ओर आकर्षित कर लेगा

मुंबई , एजेंसी। भारत में घड़ियों एवं एक्सेसरीज़ के प्रतिष्ठित ब्राण्ड फास्ट्रैक ने अपने शानदार नए संग्रह 'फास्ट्रैक फ्लीक' का लॉन्च किया है, इसी के साथ ब्राण्ड उर्जा से भरपूर विज्ञापन भी लेकर आया है। इस संग्रह में 17 घड़ियां शामिल हैं, जो अलग-अलग बेहतरीन फीचर्स के साथ आपके हर लुक को आकर्षक और मनमोहक बना देती हैं। विज्ञापन की फिल्म वास्तविक दुनिया पर आधारित है, जिसमें घड़ियों के आकार और पहलुओं से प्रेरित जीवंत दृश्य दिखाए गए हैं। वीडियो को इस तरह से फिल्माया गया है कि इसके विशालकाय पात्र, कैमरा और कोरियोग्राफी मिलकर ब्राण्ड के 'सीरीयरसली प्लेफुल' दृष्टिकोण पर रोशनी डालते हैं। फिल्म के नायक एक नए अंदाज़ में एक दूसरे के साथ बातचीत करते हुए घड़ियां को स्टाइल स्टेटमेंट के रूप में दर्शाते हैं।

फास्ट्रैक की फ्लीक घड़ियां सही मायनों में सबका ध्यान अपनी ओर खींच लेती हैं! पुरूषों की घड़ियां, अनूठे आकार, डायल पर नुकीले खंचे और

आनिक सबडायल के साथ आती हैं और आम घड़ियों से हटकर आकर्षक लुक देती हैं। वहीं महिलाओं की घड़ियां की बात करें तो इनके डायल और ब्रेसलेट दोनों पर जड़ाउ अलंकरा इन्हें खूबसूरत बनाते हैं, ये घड़ियां तुरंत सभी को आकर्षित कर लेती हैं। पतले जालीदार स्ट्रैप और जीवंत रंगों से सजी से घड़ियां हर परिधान के साथ खूब जंचती हैं। फास्ट्रैक फ्लीक घड़ियां अपने आप में फैशन एक्सेसरीज़ हैं, जो आपकी खूबसूरती में चार-चांद लगा देंगी। आप ब्रंच के लिए जा रही हैं, या डांस के लिए या डेट पर या रोज़मर्रा में काम के लिए, ये घड़ियां आपके हर परिधान के साथ खूब जंचेंगी। रु 2795 से रु 6195 की कीमत पर उपलब्ध इस संग्रह में हर बजट और हर किसी की पसंद के अनुसार घड़ियां शामिल हैं।

कैंब्रिज ने भारत में मार्च 2024 के परीक्षा परिणामों की घोषणा की

मुंबई , एजेंसी। कैंब्रिज यूनिवर्सिटी प्रेस एंड एसेसमेंट में इंटरनेशनल एजुकेशन ग्रुप ने भारत में अपने मार्च 2024 के परीक्षा परिणामों की घोषणा कर दी है। देश में 400 स्कूलों से 15,000 से ज्यादा विद्यार्थियों को कैंब्रिज आईजीसीएसई और इंटरनेशनल एएस एवं ए लेवल परिणाम प्राप्त हो चुके हैं। यह भारत में कैंब्रिज द्वारा आयोजित अब तक की सबसे बड़ी मार्च की परीक्षाएं थीं। इस साल मार्च की परीक्षाओं के लिए 76,000 से ज्यादा प्रविष्टियाँ आई थीं, जो पिछले साल के मुकाबले 17 प्रतिशत ज्यादा थीं। कैंब्रिज आईजीसीएसई के लिए 56,000 से ज्यादा प्रविष्टियाँ मिली थीं, जो पिछले साल के मुकाबले 17 प्रतिशत ज्यादा थीं। कैंब्रिज इंटरनेशनल एएस एवं ए लेवल के लिए 18,400 से ज्यादा प्रविष्टियाँ मिली थीं, जो पिछले साल के मुकाबले 18 प्रतिशत ज्यादा थीं।कैंब्रिज आईजीसीएसई और इंटरनेशनल एएस एवं ए लेवल के लिए सबसे लोकप्रिय विषय मैथमैटिक्स, फिज़िक्स, और कैमिस्ट्री रहे, जिससे भारत में विद्यार्थियों के बीच स्टेम विषयों की लगातार लोकप्रियता प्रदर्शित होती है। इकॉनॉमिक्स सबसे तेजी से बढ़ने वाले कैंब्रिज आईजीसीएसई विषयों में से एक था, जिसके लिए प्रविष्टियाँ पिछले साल के मुकाबले 30 प्रतिशत बढ़ीं। कैंब्रिज इंटरनेशनल एएस लेवल में इंग्लिश जनरल पेपर की प्रविष्टियों में सबसे ज्यादा वृद्धि हुई, जो पिछले साल के मुकाबले 43 प्रतिशत ज्यादा रहीं। इससे पाठ्यक्रम में कम्युनिकेशन स्किल्स का बढ़ता महत्व प्रदर्शित होता है। इंग्लिश जनरल पेपर विद्यार्थियों को भविष्य के लिए आवश्यक मुख्य कौशल का विकास करने में मदद करता है ।

नंदन डेनिम लिमिटेड ने फाइनेंशियल ईयर 24 की चौथी तिमाही के लिए शानदार आय की घोषणा की

अहमदाबाद, एजेंसी। डेनिम इंडस्ट्री में अग्रणी नंदन डेनिम लिमिटेड (बीएसई- 532641, एनएसई) ने 31 मार्च 2024 को समाप्त तिमाही और वर्ष के लिए ठोस आय दर्ज की है। 31 मार्च 2024 को समाप्त तिमाही के लिए, कंपनी के ऑपरेशनल रेवेन्यू में 579.12 करोड़ रुपये, अर्थात सालाना 26.68 प्रतिशत की वृद्धि हुई। एबिटा सालाना आधार पर बढ़कर 68.69 प्रतिशत हो गया और 23.12 करोड़ रुपये (फाइनेंशियल ईयर 23 की चौथी तिमाही) से 39 करोड़ रुपये (फाइनेंशियल ईयर 24 की चौथी तिमाही) हो गया। एबिटा मार्जिन 168 बीपीएस सुधरकर 5.06 प्रतिशत से 6.73 प्रतिशत (फाइनेंशियल ईयर 24 की चौथी तिमाही) हो गया। शुद्ध लाभ सालाना आधार पर 881.88 प्रतिशत बढ़ गया तथा 2.76 करोड़ रुपये (फाइनेंशियल ईयर 23 की चौथी तिमाही) से 27.10 करोड़ रुपये (फाइनेंशियल ईयर 24 की चौथी तिमाही) हुआ।

31 मार्च 2024 को समाप्त वर्ष के लिए, कंपनी के ऑपरेशनल रेवेन्यू में 0.82 प्रतिशत की गिरावट देखी गई, जो कि 2026.76 करोड़ रुपये (फाइनेंशियल ईयर 23) से 2010.08 करोड़ रुपए (फाइनेंशियल ईयर 24) तक की मामूली गिरावट है। एबिटा सालाना आधार पर 40.67 प्रतिशत बढ़ा, जो 84.1 करोड़ रुपये (फाइनेंशियल ईयर 23), से 118.30 करोड़ रुपये (फाइनेंशियल ईयर 24) हुआ। एबिटा मार्जिन में 174 बीपीएस का सुधार दर्ज किया गया और यह 5.89 प्रतिशत रहा। शुद्ध लाभ में सालाना आधार पर 8384.91 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई, जो कि 0.53 करोड़ रुपये (फाइनेंशियल ईयर 23) से 44.97 करोड़ रुपये (फाइनेंशियल ईयर 24) पहुंची। एक ग्लोबल लीडर डेनिम मैन्युफैक्चरर, नंदन डेनिम लिमिटेड 27 वर्षों से अधिक समय से डेनिम इंडस्ट्री को रीडिफाइन कर रहा है।

शॉप्सी ने किड्स सेगमेंट में कदम रखा है और वह ऐसे ट्रेंड को फ़ॉलो करता है जिसमें स्टाइल के साथ सुविधा भी हों

शॉप्सी ने अपना बजट-अनुकूल किड्स कलेक्शन लॉन्च किया है

बेंगलुरु एजेंसी। आने वाली गर्मियों की छुट्टियों के उत्साह को बढ़ाने के लिए, भारत के सबसे तेजी से बढ़ते हाइपर-वैल्यू ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म शॉप्सी बाय फ्लिपकार्ट ने बच्चों के लिए एक रोमांचक कलेक्शन का अनावरण किया है। शॉप्सी 100 से अधिक उत्पादों को कवर करती है, जिनमें खिलौने, पार्टी सप्लाई, स्कूल सप्लाई और फैशन वियरेबल्स शामिल हैं, इसके अलावा मनोरंजन से लेकर फैशन, उपयोगिता वस्तुओं और अन्य उत्पादों की एक विस्तृत श्रृंखला भी शामिल हैं7 शॉप्सी पर लिस्टेड सेलर द्वारा दी जाने वाली कीमतें 25/- रुपये जैसी आकर्षक कीमतों से शुरू होती हैं, जो सभी के लिए किफायती हैं। शीर्ष श्रेणियों में 49/- रुपये की कीमत वाले शैक्षणिक खिलौने, 150/- रुपये की कीमत वाले बच्चों के कपडे, 129/- रुपये की कीमत वाले बच्चों के पारंपरिक परिधान, 85/- रुपये की कीमत वाले सॉफ्ट टॉयज , 25/- रुपये की स्कूल सप्लाय और हर ग्राहक की आवश्यकता को पूरा करने के लिए और भी बहुत कुछ शामिल है। बच्चों के कपड़े, खिलौने, स्टेशनरी और हॉबी किट की मांग में बढ़ोतरी देखने के बाद शॉप्सी ने बच्चों की रंगीन दुनिया के लिए अपने उत्पादों की रेंज बढ़ा दी। भारतीय परिवेश भी इस विस्तार के लिए अनुकूल वातावरण प्रदान करता है; हाल के वर्षों में, माता-पिता की बदलती प्राथमिकताओं,

चल रहे नवाचार और बदलते ट्रेंड के कारण इसमें उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है। शॉप्सी ने उन चुनौतियों की पहचान की है और उनका उपयोग किया है जिनका सामना माता-पिता को तब करना पड़ता है जब उनके बच्चे तेजी से बड़े हो जाते हैं और उनको उस तरह के कपड़े एवं खिलौनों की जरूरत नहीं होती7 शॉप्सी व्यापक और किफायती रेंज के माध्यम से नवप्रवर्तन कर रही है और यह केवल ग्राहक अनुसंधान से संभव हुआ है।

बच्चों के कलेक्शन के लॉन्च ने पहले से ही काफी उत्साह पैदा कर दिया है, जो इस बढ़ते बाजार के लिए एक सकारात्मक शुरुआत का संकेत है। टियर 2+ क्षेत्रों में, कटक, वाराणसी, गुवाहाटी और मुजफ्फरपुर महत्वपूर्ण योगदानकर्ता के रूप में उभरे। बढ़ते ग्राहक आधार के साथ, शॉप्सी को उम्मीद है कि वह आगामी महीनों में अपने उत्पादों को मजबूत और विस्तारित करके उन्हें संतुष्ट करना जारी रखेगा। कलेक्शन की सबसे अधिक बिकने वाली वस्तुएं शैक्षणिक खिलौने, स्टेशनरी और बच्चों की टी-शर्ट और बॉटम्स के कॉम्बो सेट शामिल हैं। ग्राहक अपने ऑर्डर पर फ्री डिलीवरी और 5-7 दिनों की स्टैण्डर्ड शिपिंग का लाभ उठा सकते हैं। शॉप्सी उत्पादों पर आसान रिटर्न प्रदान करता है जो इसे सुविधाजनक और परेशानी मुक्त बनाता है। इस श्रेणी की लॉन्च पर टिप्पणी करते हुए, शॉप्सी के प्रमुख, कपिल थिरानी कहते हैं,शॉप्सी में, हम अपने विविध ग्राहकों से जुड़ने के लिए लगातार नए तरीकों की तलाश कर रहे हैं और बच्चों की श्रेणी में हमारा हालिया विस्तार इसका प्रमाण है। उपभोक्ता व्यवहार के सावधानीपूर्वक अवलोकन और विश्लेषण के माध्यम से, हमने बच्चों के उत्पादों की स्थायी आकर्षण के बारे में जानकारी प्राप्त की। भारतीय बाजार में विभिन्न श्रेणियों में शिशु उत्पादों की बढ़ती मांग देखी जा रही है, जिससे यह इस क्षेत्र के लिए एक आशाजनक केंद्र के रूप में स्थापित हो रहा है। हम उन भारतीय परिवारों की कठिनाइयों से अवगत हैं, जिनके बच्चे अपने कपड़ों से ज्यादा हर मौसम में नए खिलौने मांगते हैं। हम विक्रेताओं को शामिल करके और आकर्षक कीमतों पर व्यापक विविधता की पेशकश करके इस चुनौती को स्वीकार कर रहे हैं ।

जेड टेक (इंडिया) लिमिटेड का आइपीओ खुलेगा

नई दिल्ली एजेंसी। दिल्ली स्थित जेड टेक (इंडिया) लिमिटेड एक कंपनी है जो ग्राहकों को नवीन, सुरक्षित और पर्यावरण-अनुकूल इंजीनियरिंग समाधान प्रदान करने में लगी हुई है। इन समाधानों में तीन मुख्य श्रेणियां शामिल हैं- टिकाऊ थीम पार्क विकास, औद्योगिक अपशिष्ट और जल प्रबंधन, साथ ही तकनीकी रूप से विशिष्ट समाधान। कंपनी ने 10 रुपये अंकित मूल्य वाले एक शेयर का मूल्य दायरा 104 रुपये से 110 रुपये आइपीओके लिये तय किया गया है। कंपनी की प्रारंभिक सार्वजनिक पेशकश (आईपीओ या ऑफर) सदस्यता के लिए 29 मई को खुलेगी और शुक्रवार, 31 मई, 2024 को बंद होगी। निवेशक न्यूनतम 1200 इक्विटी शेयरों के लिए बोली लगा सकते हैं। और फिर 1200 के गुणक में बोली लगा सकते हैं. 37.30 करोड़ रुपये जुटाने के लिए 33,91,200 इक्विटी शेयर जारी किए जाएंगे।

टी20 विश्व कप: टीम इंडिया ने न्यूयॉर्क में शुरू की ट्रेनिंग

5 जून को आयरलैंड के खिलाफ पहला मैच

न्यूयॉर्क (अमेरिका)। आयरलैंड के खिलाफ 5 जून को होने वाले आईसीसी टी20 विश्व कप के पहले मैच से पहले टीम इंडिया ने न्यूयॉर्क में अपनी ट्रेनिंग शुरू कर दी है। आईसीसी टी20 विश्व कप एक से 29 जून तक वेस्टइंडीज और अमेरिका में खेला जाएगा। मेन इन ब्लू एक जून को न्यूयॉर्क के नासाउ काउंटी इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में बांग्लादेश के खिलाफ अपना एकमात्र अभ्यास मैच भी खेलेगी। भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने इंस्टाग्राम पर कुछ भारतीय खिलाड़ियों की वार्मअप करते हुए तस्वीर शेयर की, जिसमें बुमराह खुद, तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह, ऑलराउंडर अक्षर पटेल, रवींद्र जडेजा, शिवम दुबे और टी20 में नंबर एक बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव शामिल हैं। चोटों के कारण ऑस्ट्रेलिया में टूर्नामेंट के 2022 संस्करण से चूकने के बाद भारतीय टीम को उनकी अनुपस्थिति वास्तव में बहुत खल रही थी, क्योंकि सेमीफाइनल में उन्हें इंग्लैंड के हाथों 10 विकेट से हार का सामना करना पड़ा था। 2016 और 2021 के संस्करणों में 10 टी20 विश्व कप मैचों में बुमराह ने 22.54 की औसत और 21.0 की स्ट्राइक रेट से 11 विकेट लिए जिसमें उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 2/10 रहा।

आईपीएल में इस तेज गेंदबाज ने शानदार फॉर्म दिखाया, भले ही उनकी एमआई 14 मैचों में सिर्फ चार जीत के साथ अंतिम स्थान पर रही। उन्होंने 13 मैचों में 16.80 की औसत और सिर्फ 6.48 की इकॉनमी रेट से 20 विकेट लिए जिसमें उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 5/21 रहा। वह टूर्नामेंट में तीसरे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज थे। भारत अपना टी20 विश्व कप अभियान 5 जून को आयरलैंड के खिलाफ न्यूयॉर्क के नवनिर्मित नासाउ काउंटी इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में शुरू करेगा। इस बीच भारत और पाकिस्तान के बीच सबसे प्रतीक्षित ब्लॉकबस्टर मुकाबला 9 जून को होगा। इसके बाद ग्रुप ए के अन्य मैचों में भारत को सह-मेजबान यूएसए 12 जून और कनाडा 15 जून से भिड़ना होगा।

भारतीय टीम

- रोहित शर्मा (कप्तान), हार्दिक पांड्या (उपकप्तान), यशस्वी जायसवाल, विराट कोहली, सूर्यकुमार यादव, ऋषभ पंत (विकेट कीपर), संजू सैमसन (विकेट कीपर), शिवम दुबे, रवींद्र जडेजा, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, युजवेंद्र चहल, अर्शदीप सिंह, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज
- रिजर्वः शुभमन गिल, रिंकू सिंह, खलील अहमद और आवेश खान

नामीबिया के साथ खेले ऑस्ट्रेलिया के चयनकर्ता

नई दिल्ली। त्रिनिदाद के क्वींस पार्क ओवल में टी20 विश्व कप 2024 से पहले छठे अभ्यास मैच में ऑस्ट्रेलिया और नामीबिया का आमना-सामना हुआ। नामीबिया ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवरों में 9 विकेट खोकर 119 रन बनाए। ऑस्ट्रेलिया के लिए एडम ज़म्पा (4-0-25-3) और जोश हेज़लवुड (4-3-5-2) ने शानदार स्पैल फेंके। नामीबिया के बल्लेबाज हेजलवुड की गेंद खेलने में अक्षम दिखे। तेज गेंदबाज ने 4 में से तीन मेडन ओवर फेंके। उन्होंने नामीबिया के ओपनर्स माइकल वेन और निको डेविन के विकेट लिए जिसे विरोधी टीम दबाव में आ गई और 199 रन ही बना पाई। जवाब में मिचेल मार्श की टीम ने महज 10 ओवर में 7 विकेट रहते लक्ष्य हासिल कर लिया। डेविड वार्नर ने 21 गेंदों पर 54 रनों की नाबाद पारी खेलकर अपनी टीम को जीत दिलाई। उक्त मैच में ऑस्ट्रेलियाई टीम के पास पूरी प्लेइंग 11 नहीं थी। ऐसे में उन्होंने इसे अपने हेड कोच और सिलेक्टर्स के साथ भरा। ऑस्ट्रेलिया की विश्व कप टीम में वर्तमान में नामित 15 सदस्यों में से केवल 9 शामिल हैं, क्योंकि ट्रैविस हेड, पैट कमिंस, मिशेल स्टार्क, ग्लेन मैक्सवेल, कैमरून ग्रीन और मार्कस स्टोइनिस ने आईपीएल में अपनी भागीदारी के बाद अभी ब्रेक पर हैं। नतीजतन, मुख्य कोच एंड्रयू मैकडोनाल्ड, सहायक ब्रैड हॉज और आंद्रे बोरोवेक के साथ-साथ मुख्य चयनकर्ता जॉर्ज बेली टीम के लिए मैदान पर उतर पड़े।

सिंगापुर ओपन 2024

पीवी सिंधू की जीत के साथ शुरुआत

सिंगापुर। भारतीय शटलर और दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू ने बुधवार को सिंगापुर ओपन 2024 के पहले दौर में डेनमार्क की लाइन होजमार्क काजेर्सफेल्ट के खिलाफ आसान जीत हासिल की। सिंधू ने महिला एकल के पहले दौर के मैच में अपने डेनिश प्रतिद्वंद्वी को 21-12, 22-20 से हराया। यह मैच 44 मिनट तक चला। खेल में शुरू से ही सिंधू का दबदबा रहा। उन्होंने पहला सेट आसानी से 21-12 से जीता। दूसरे सेट में होजमार्क ने वापसी की कोशिश की, लेकिन सिंधू ने 22-20 से जीत दर्ज कर टूर्नामेंट के अगले दौर में जगह बना ली। इससे पहले रविवार को सिंधू को मलेशिया मास्टर्स के फाइनल में चीन की वांग झी यी के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था। भारतीय शटलर महिला एकल के खिताबी मैच में अपने चीनी प्रतिद्वंद्वी से 21-16, 5-21 और 16-21 से हार गईं थीं। वहीं, वांग झी से मुकाबले से पहले मलेशिया मास्टर्स में सिंधू ने सेमीफाइनल मैच में बुसानन ओंगबामरुंगफान को 13-21, 21-16, 21-12 से हराया था। सिंधू 2023 स्पेन मास्टर्स के बाद पहली बार किसी टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंची थीं। इससे पहले मंगलवार को दुनिया की नंबर एक पुरुष एकल बैडमिंटन जोड़ी चिराग शेट्टी और सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी को सिंगापुर ओपन में अपने पहले ही दौर के मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा।

कोहली-रोहित के पास आईसीसी ट्रॉफी दिलाने का अंतिम मौका

बेंगलुरू : ऐसे दो क्रिकेटर मिलना मुश्किल है जो एक-दूसरे से इतने अलग हों लेकिन फिर भी भाग्य के धागे से इतने करीब से जुड़े हों जैसे विराट कोहली और रोहित शर्मा। रोहित ने शीर्ष स्तर के क्रिकेट में शुरुआत 2007 में बेलफास्ट में की जबकि कोहली ने इससे एक साल बाद दांबुला में अपना पहला अंतरराष्ट्रीय मैच खेला। एक साथ चले इस सफर का एक और दिलचस्प अध्याय संभवतः अगले महीने कैरेबियाई द्वीपों में समाप्त हो जाएगा। अगला टी20 विश्व कप 2026 में है जिसकी मेजबानी भारत और श्रीलंका संयुक्त रूप से करेंगे लेकिन तब रोहित 40 बरस के होने वाले होगे और कोहली 38 वर्ष के होंगे। एकदिवसीय (50 ओवर) प्रारूप का विश्व कप इसके एक और साल बाद होगा। खेल की स्ट्राइक रेट से जुड़ी प्रकृति में लगातार इजाफा हो रहा है और इसे देखते हुए इन दोनों को इनमें से किसी में भी खेलते हुए देखना मुश्किल है। इसलिए रोहित और कोहली दोनों अगले महीने विजेता का पदक अपने गले में लटकाए मंच से विदा लेना चाहेंगे। अगर वे ऐसा कर पाते हैं तो यह 2007 टी20 विश्व कप (रोहित) और 2011 में 50 ओवर के विश्व कप (कोहली) के बाद उनका दूसरा विश्व खिताब होगा। और यह उन दो खिलाड़ियों के लिए एक बेहतरीन विदाई होगी जिन्होंने पिछले 17 वर्षों में भारत के सीमित ओवरों के क्रिकेट में काफी प्रभाव डाला। हालांकि कोहली-रोहित की कहानी आपसी सम्मान और इस जागरूकता पर आधारित है कि उन्हें एक-दूसरे के काम मे दखल नहीं देनी। कोहली ने अपने करियर की शुरुआत से ही रोहित के लिए उनके मन में जो प्रशंसा है, उसके बारे में बात की है।

नॉर्वे शतरंज राउंड-2

चैंपियन डिंग से हारे प्रगनानंदा, वैशाली ने कोनेरू हंपी को दी शिकस्त

नई दिल्ली। प्रतिष्ठित नॉर्वे शतरंज के राउंड दो में मंगलवार को स्पेयरबैंक 1 एसआर-बैंक में एक बार फिर सभी तीन क्लासिकल गेम ड्रॉ पर समाप्त हुए। हालांकि, मैग्नस कार्लसन, अलीरेजा फिरोजा और डिंग लिरेन ने बाद के आर्मागेडन मैचों में सफेद रंग से जीत हासिल की और तीनों ने 1.5-1.5 अंक हासिल किए। विश्व चैंपियन डिंग लिरेन के खिलाफ 2-0 की बढ़त के साथ आगे बढ़ने वाले भारत के आर प्रगनानंदा आर ने नॉर्वे शतरंज 2024 मुख्य कार्यक्रम के दौर में अपना पहला क्लासिकल ड्रॉ खेला। इसके बाद चीनी ग्रैंडमास्टर लिरेन आर्मागेडन टाई-ब्रेकर में विजयी हुए। वहीं, मैग्नस कार्लसन और हिकारू नाकामुरा ने करीबी प्रतिस्पर्धा वाली क्लासिकल गेम खेली जो ड्रॉ पर समाप्त हुई। हालांकि, इसके बाद कार्लसन ने दबाव में एक महत्वपूर्ण जीत हासिल करने में कामयाबी हासिल की। अब कार्लसन ने टूर्नामेंट स्टैंडिंग में तीन अंकों की बढ़त ले ली। फिरोजा और फेबियानो कारुआना को भी कड़े मुकाबले में ड्रॉ खेलना पड़ा। हालांकि, इसके बाद स्पीड शतरंज में फिरोजा ने कारुआना को हरा दिया और महत्वपूर्ण 1.5 अंक हासिल किए।

नोवाक जोकोविच हर्बर्ट को हराकर दूसरे दौर में पहुंचे

पेरिस। सार्बिया के दिग्गज खिलाड़ी नोवाक जोकोविच फ्रांस के पियरे ह्यूजेस हर्बर्ट को हराकर फ्रेंच ओपन टेनिस टूर्नामेंट के दूसरे दौर में पहुंच गए है। मंगलवार को यहां दुनिया के नम्बर वन टेनिस खिलाड़ी जोकोविच ने दो घंटे 33 मिनट तक चले मुकाबले में ह्यूजेस हर्बटर् पर 6-4, 7-6, 6-4 से जीत दर्ज की। जोकोविच की 93वीं जीत है। जोकोविच रोलां गैरो पर तीन बार के विजेता हैं और अपनी नंबर एक रैंकिंग बचाने के लिए उन्हें एक बार फिर फाइनल में जगह बनानी होगी। दूसरे दौर में मुकाबला स्पेन के खिलाड़ी रॉबटर कारबेलास बेइना से होगा।

मुक्केबाज अरूंधति प्री क्वार्टर फाइनल में नरेंदर ओलंपिक क्वालीफायर से बाहर

बैंकॉक, 29 मई गत राष्ट्रीय चैंपियन अरूंधति चौधरी ने बुधवार को यहां दूसरे मुक्केबाजी विश्व ओलंपिक क्वालीफायर में आसान जीत के साथ 66 किग्रा वर्ग के प्री क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई जबकि एशियाई खेलों के कांस्य पदक विजेता नरेंदर बेरवाल (92 किग्रा से अधिक) हारकर प्रतियोगिता से बाहर हो गए। अरूंधति ने पुएर्टो रिको की स्टेफनी पाइनेइरो को सर्वसम्मत फैसले में 5-0 से हराया जबकि नरेंदर को इक्वाडोर के गेरलोन गिलमार कॉन्गो चाला के खिलाफ 2-3 से शिकस्त का सामना करना पड़ा।

अरूंधति ने पहले राउंड में अपनी प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ शानदार शुरुआत की जबकि दूसरे राउंड में उन्होंने थोड़ा सतर्क रवैया अपनाते हुए अपनी स्थिति मजबूत की। भारतीय मुक्केबाज ने तीसरे राउंड में भी दबदबा बनाते हुए आसान जीत दर्ज की। नरेंदर ने भी विरोधी मुक्केबाज को कड़ी टक्कर दी लेकिन यह अगले दौर में जगह बनाने के लिए पर्याप्त नहीं था।

एशियाई खेल 2022 के कांस्य पदक विजेता नरेंदर ने पहले राउंड में धीमी शुरुआत की जिससे वह पिछड़ गए और फिर गेरलोन को पछाड़ नहीं पाए। उन्होंने दूसरे और तीसरे राउंड में अपने प्रदर्शन से पांच में से तीन जजों को प्रभावित किया लेकिन यह उन्हें जीत दिलाने के लिए काफी नहीं था।

अरूंधति ने पहले राउंड में अपनी प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ शानदार शुरुआत की जबकि दूसरे राउंड में उन्होंने थोड़ा सतर्क रवैया अपनाते हुए अपनी स्थिति मजबूत की। भारतीय मुक्केबाज ने तीसरे राउंड में भी दबदबा बनाते हुए आसान जीत दर्ज की। नरेंदर ने भी विरोधी मुक्केबाज को कड़ी टक्कर दी लेकिन यह अगले दौर में जगह बनाने के लिए पर्याप्त नहीं था।

बालाजी कन्सट्रक्शन कम्पनी

शॉप नं0 14, ओम कॉम्प्लेक्स, नया बॉस, सेक्टर–15, नोएडा (गौतमबुद्धनगर)

फोन– 0120– 2321857

मो0– 9811082962

जहां 108 भवनों में विराज रहे अलौकिक आराध्य देव

हरी-भरी वादियों, नीली पहाड़ियों, घने जंगलों, स्वर्णिम समुद्री तटों एवं सुंदर झीलों से युक्त बंगाल की खाड़ी में स्थित उड़ीसा पूर्वी भारत का एक अनमोल रत्न कहलाता है। उड़ीसा में भुवनेश्वर, पुरी, कटक, कोर्णाक अपने अद्वितीय मंदिरों, समुद्र तटों, उत्कृष्ट स्थापत्य व मूर्ति कला एवं धार्मिक स्थलों के लिए विश्व विख्यात हैं।

प्राचीन इतिहास

उड़ीसा ही वह प्रदेश है जो प्राचीन काल में कलिंग देश के नाम से जाना जाता था। ईसा पूर्व चौथी-पांचवीं शताब्दी में ही इस क्षेत्र में समुद्री बंदरगाह विकसित हो गए थे। कलिंग प्राचीन इतिहास में चौथी शताब्दी से प्रसिद्ध हुआ, जब मगध में (पटना के समीप) नंद वंशीय राजा का शासन था। ईसा पूर्व 261 के आस-पास मौर्य वंशीय सम्राट अशोक ने कलिंग पर चढ़ाई कर दी थी, और कलिंग प्रदेश को जीत लिया था। लेकिन कलिंग युद्ध में हजारों सैनिकों के हताहत होने से धरती लाल हो गई थी। इससे आहत होकर सम्राट अशोक ने सदा के लिए युद्ध को त्याग दिया था, और बौद्ध धर्म को अपना लिया था। आज का भुवनेश्वर कलिंग की राजधानी अथवा कलिंग युद्ध क्षेत्र से केवल कुछ ही किलोमीटर के फासले पर स्थित है। कहते हैं, यह वही स्थान है जहां कलिंग का युद्ध हुआ था। यह स्थान भुवनेश्वर-पुरी सड़क पर दायीं ओर पहाड़ी जैसी जगह पर स्थित है। इसके पास से ही एक धीमी गति से प्रवाहित नदी है, जिसे दया नदी के नाम से जाना जाता है। ऊपर मंदिर तक जाने के लिए अलग रास्ता है। रास्ते के चारों ओर काजू के हरे-भरे बाग हैं। काजू के ये हरे-भरे बाग सभी का ध्यान अपनी ओर आकर्षित करते हैं।

लिंगराज मंदिर

भुवनेश्वर अपने प्राचीन मंदिरों के लिए विख्यात है। भुवनेश्वर में लिंगराज का मंदिर सबसे बड़ा और भव्य है। लिंगराज मंदिर को केसरी वंशीय राजाओं ने 11वीं शताब्दी में बनाया था। भुवनेश्वर में स्थित अन्य सभी

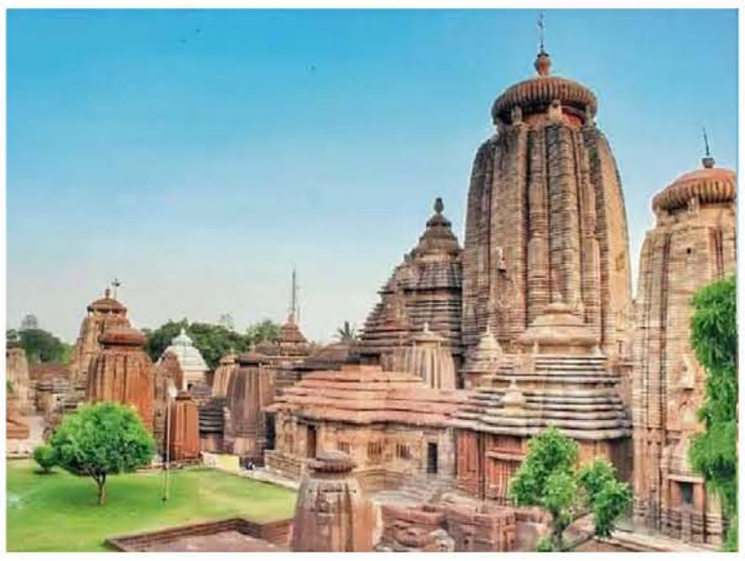

मंदिरों में से, लिंगराज का मंदिर सबसे विशाल एवं आकर्षक है। मंदिर के शिखर कलश से लहराता केसरिया त्रिकोणीय ध्वज दूर से ही नज़र आता है। यहां दसवीं-ग्यारहवीं शताब्दी में निर्मित अन्य मंदिरों में मुक्तेश्वर, राजा-रानी, परशुराम आदि के मंदिर सुप्रसिद्ध हैं। उड़ीसा को पूर्व का रत्न कहलाने का प्रमुख कारण इसके ऐतिहासिक नगरों भुवनेश्वर, पुरी, कटक आदि हैं। इन जिलों में जितने देव मंदिर, देवी-देवताओं के पूजा स्थल हैं, उतना पूर्वी भारत में संभवतः और कहीं नहीं हैं।

महाप्रसाद

लिंगराज मंदिर चारों ओर से किलेनुमा ऊंची दीवारों के भीतर, एक अलौकिक रूप-छटा लिए विद्यमान है। मंदिर की भव्यता कई शताब्दियों पूर्व भारत में मंदिर निर्माण कौशल को सहज ही दर्शाता है। मंदिर के गर्भगृह में भगवान शिव का विशाल शिवलिंग स्थापित है। यहां प्रतिदिन तीन समय- प्रातः, दोपहर एवं सायंकाल में पूजा-अर्चना की जाती है, और सभी समय भगवान को भोग लगाया जाता है। मिट्टी के एक ही आकार वाले हांडों में प्रसाद के लिए भात-दालमा आदि पकाया जाता है। श्रद्धालुओं, भक्तजनों को इन्हें प्रसाद के रूप में दिया जाता है। ऐसे प्रसाद को महाप्रसाद कहा जाता है। महाप्रसाद यहां का एक विशिष्ट भोजन एवं प्रसाद है।

वास्तुकला निर्माण

लिंगराज मंदिर हिन्दू वास्तुकला निर्माण का एक अद्भुत उदाहरण है। मंदिर की बाहरी दीवारों में पत्थरों को तराश कर बनाई गई विभिन्न देवी-देवताओं की आकृतियां एवं मूर्तियां हैं। जीवन के सत्य को दर्शाती मंदिर की भित्ति पत्थरों पर नारी के विभिन्न रूप उकेरे गए हैं। ये आकृतियां विभिन्न मुद्राओं तथा भिन्न-भिन्न अवस्थाओं में हैं। कहीं दिगंबर अवस्था में जीवन का सच दर्शाया गया है। स्त्री-पुरुष की आकृतियों के अतिरिक्त, पशु-पक्षी, पेड़-पौधों के चित्र भी अत्यंत सूक्ष्मता से उकेरे गए हैं। पशुओं में सिंहों की संख्या सर्वाधिक है। मंदिर के प्रवेश द्वार शिखर के स्तूपों तथा खम्भों में सिंहों की आकृतियां-मूर्तियां विभिन्न मुद्राओं में स्थान-स्थान पर पत्थरों को काट कर, तराश कर बनाई गई हैं।

अलौकिक एवं अद्धितीय

चट्टानों को काटकर, तराश कर बनाई गई शिव, पार्वती, गणेश आदि की प्रस्तर प्रतिमाएं सूक्ष्म से सूक्ष्म भाव- भंगिमाओं को दर्शाते हैं, जो अलौकिक एवं अद्वितीय हैं। सजीव व बोलती-सी ये मूर्तियां, उस समय के शिल्पकारों, कलाकारों की महान एवं विलक्षण कला कौशल को देख, दर्शक-श्रद्धालु अचंभित रह जाते हैं। वास्तव में यह मूर्तिकला की पराकाष्ठा है, जो उस समय हिन्दू मंदिरों के निर्माण का स्वर्ण युग के नाम से जाना जाता है।

भारी संख्या में मंदिर

लिंगराज मंदिर परिसर में कुल 108 छोटे-बड़े मंदिर हैं। हिन्दुओं के लगभग सभी आराध्य देवगणों के मंदिर इस परिसर में मौजूद हैं। इनमें नारायण जी, नरसिंह, शिव-पार्वती, लक्ष्मी-नारायण, गणेश, कार्तिक, वैद्यनाथ, शिव-काली, राम-सीता, कृष्ण आदि के हैं। इन मंदिरों के अपने-अपने पुजारी हैं। भुवनेश्वर के 10 किलोमीटर की परिधि के भीतर, एक कम एक लाख पच्चीस हजार मंदिर हैं। लेकिन उपलब्ध अभिलेखों एवं जानकारी के अनुसार, लगभग सात हजार से अधिक मंदिरों का उल्लेख नहीं मिलता है।

लिंगराज मंदिर में बारहों महीने प्रतिदिन दूर-पास से आने वाले भक्तगणों, श्रद्धालुओं एवं दर्शनार्थियों की भारी भीड़ लगी रहती है। लेकिन शिवरात्रि के दिन प्रातःकाल से ही मंदिर में अत्यधिक भीड़ हो जाती है। जिस ओर भी दृष्टि डालें, अपार जनसमूह नज़र आता है। रात्रि में मंदिर में इतनी अधिक संख्या में लोग शिव जी एवं शिवलिंग के दर्शन व पूजा-अर्चना के लिए उमड़ पड़ते हैं कि एक साथ आए लोग भीड़ में खोकर एक-दूसरे को ढूंढ़ने लगते हैं।

लिंगराज मंदिर जिस ओर स्थित है, उसे पुराना नगर या ओल्ड टाउन कहा जाता है। लिंगराज मंदिर का रख-रखाव भारतीय पुरातत्व विभाग द्वारा किया जाता है। उड़ीसा को यदि पूर्वी भारत का रत्न कहा जाता है, तो इस में कोई अतिशयोक्ति नहीं है।

कालाष्टमी व्रत का इस विधि से करें उद्यापन, लाइफ में नहीं आएगा कोई संकट!

अगर कोई कालाष्टमी व्रत का उद्यापन करना चाहता है तो उसको कुछ जरूरी बातों का ध्यान रखना होगा और विशेष पूजा करके कालाष्टमी व्रत का उद्यापन किया जा सकता है. लेकिन कालाष्टमी व्रत का उद्यापन किस दिन और कैसे कर सकते हैं. आइए जानते हैं...

हिन्दू धर्म में हर महीने के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि को कालाष्टमी का व्रत किया जाता है। मान्यताओं के अनुसार, कालाष्टमी को भैरवाष्टमी भी कहा जाता है, क्योंकि यह काल भैरव (भैरवनाथ) को समर्पित होती है। काल भैरव देव को भगवान शिव का रौद्र स्वरूप माना जाता है। काल भैरव भगवान शिव के पांचवें अवतार भी थे, इसलिए इस दिन लोग भगवान शिव और उनके स्वरूप काल भैरव की विशेष पूजा अर्चना

करते हैं और पूरे दिन व्रत रखते हैं। ज्येष्ठ महीने का कालष्टमी व्रत 30 मई दिन गुरुवार को है।

अगर कोई कालाष्टमी व्रत का उद्यापन करना चाहता है तो उसको कुछ जरूरी बातों का ध्यान रखना होगा और विशेष पूजा करके कालाष्टमी व्रत का उद्यापन किया जा सकता है। लेकिन कालाष्टमी व्रत का उद्यापन किस दिन और कैसे कर सकते हैं। आइए जानते हैंज

पैराणिक कथाओं के अनुसार, मासिक कालाष्टमी व्रत का उद्यापन किसी भी शुभ तिथि, जैसे कि एकादशी, पूर्णिमा या अमावस्या के दिन किया जा सकता है। उद्यापन के दिन व्रती लोगों को विधि-विधान से भगवान शिव के रौद्र स्वरूप काल भैरव की पूजा करनी होगी और अपनी गलती की क्षमा मांगने के बाद उद्यापन कर सकते हैं। पूजा के बाद व्रती लोगों को पूजा के बाद 11 या 21 ब्राह्मणों को भोजन कराना होगा और गरीबों को दान करना होगा।

कालाष्टमी व्रत का ऐसे करें उद्यापन

कालाष्टमी व्रत का उद्यापन करने के लिए सुबह जल्दी उठकर स्नान करें और स्वच्छ वस्त्र पहनें।

एक कलश में जल भरकर उसे लाल कपड़े से ढकें और आम के पत्तों, नारियल, मौसमी फलों और फूलों से सजाएं।

कलश को पूजा के स्थान पर स्थापित करें। सबसे पहले भगवान गणेश की पूजा करें। उन्हें सिंदूर, रोली और मोदक अर्पित करें।

कलश के सामने भगवान काल भैरव की प्रतिमा या चित्र स्थापित करें। उन्हें दीपक, धूप, कपूर, रोली, चावल और सिंदूर अर्पित करें।

भगवान काल भैरव के मंत्रों का जाप करें। आप? काल भैरवाय नमः या ह्रीं काल भैरवाय नमः का जाप कर सकते हैं।

यदि संभव हो तो मासिक कालाष्टमी व्रत की कथा पढ़ें या सुनें। व्रत का उद्यापन भोजन ग्रहण करके करें। भोजन में सात्विक भोजन ग्रहण करें।

कालाष्टमी व्रत का महत्व

मासिक कालाष्टमी व्रत भगवान काल भैरव की उपासना का एक महत्वपूर्ण व्रत है। मासिक कालाष्टमी व्रत का उद्यापन करने का अर्थ है कि आपने व्रत का समापन कर दिया है। इसके बाद आप अपनी इच्छा के अनुसार, व्रत रखना चाहे तो रख सकते हैं और नहीं रखना चाहे तो नहीं रख सकते हैं।

मासिक कालाष्टमी व्रत का उद्यापन किसी भी शुभ तिथि, जैसे कि एकादशी, पूर्णिमा या अमावस्या को किया जा सकता है। कालाष्टमी व्रत का विधि-विधान से उद्यापन करने से काल भैरव की लोगों पर कृपा बनी रहती है और घर में परिवार में भी खुशहाली से भरा रहता है। इसके अलावा आने वाले जीवन में भी कोई कष्ट नहीं होता है।

महाभारत काल के बाद फिर आ रहा है विनाशकारी पक्ष, शुभ कार्य रहेंगे वर्जित

जून 2024 में पड़ रहे त्रयोदशी पक्ष के चलते कोई भी शुभ काम करना वर्जित रहेगा। ज्योतिषीय गणना के अनुसार 23 जून से 5 जुलाई तक त्रयोदशी पक्ष आ रहा है। यह पक्ष द्वापर युग में महाभारत काल के समय कौरवों और पांडवों के बीच हुए युद्ध के समय आया था। जिसमें लाखों सैनिक, योद्धा और राजा मारे गए थे। ज्योतिष शास्त्र में इसे विश्व घस्त्र पक्ष भी कहते हैं।

ज्योतिष के अनुसार यह त्रयोदशी पक्ष विनाशकारी है। इसमें कोई भी शुभ काम करने का लाभ नहीं मिलेगा। बल्कि उसके उल्टे परिणाम प्राप्त होंगे। ज्योतिष शास्त्रों के अनुसार त्रियोदशी पक्ष में गृह प्रवेश, मुंडन, जन्मदिन, शादी या अन्य कोई भी शुभ कार्य करने से नुकसान हो सकता है। ज्योतिष शास्त्र में इस पक्ष को विनाशकारी पक्ष भी कहा जाता है। जब भी यह पक्ष आता है देश ही नहीं पूरा विश्व इससे प्रभावित होता है। इस पक्ष के समय में युद्ध होने की अधिक संभावना रहती है। यह पक्ष विनाश का प्रतीक है।

हरिद्वार के विद्वान ज्योतिषाचार्य

श्रीधर शास्त्री बताते हैं कि द्वापर युग में महाभारत काल के समय त्रयोदशी पक्ष आया था। इस पक्ष में ही कौरवों और पांडवों के बीच युद्ध हुआ था। जिसमें लाखों सैनिकों, योद्धाओं का संघार हुआ था। ज्योतिषाचार्य श्रीधर शास्त्री के अनुसार यह पक्ष विनाशकारी है। इस पक्ष को ज्योतिष शास्त्र में जनहानि करने वाला पक्ष भी कहा गया है।

वह बताते हैं कि जितना हो सके इस पक्ष में सत्कर्म करते हुए पूजा पाठ करें। साथ ही उनका कहना हैं कि इस पक्ष में कोई भी शुभ काम करना वर्जित होता है। इस पक्ष में शादी विवाह, मुंडन, जन्मदिन, घर का मुहूर्त आदि अन्य शुभ काम ना करें। इस पक्ष में शुभ काम करने पर उसके अशुभ परिणाम प्राप्त होते हैं। इस पक्ष में सत्कर्म करते हुए ईमानदारी से अपना कार्य करें और भगवान की भक्ति करते रहेंगे तो इस पक्ष का प्रभाव काफी हद तक काम हो सकता है। बृहस्पति और शुक्र ग्रह के अस्त होने से भी शुभ कार्य करने वर्जित रहेंगे।

सागर से सीख

एक बार गुरुदेव रवीन्द्रनाथ टैगोर सागर किनारे टहलते हुए अपने विद्यार्थियों को मिसाल देते हुए समझा रहे थे कि सागर को देखने का अनुभव हरेक का अपना ही होता है। कोई सागर किनारे बह रही शीतल हवा का मुरीद हो जाता है। कोई वहां पर सीपियां और शंख एकत्र करता है। कोई रेत के घरौंदे बनाता है और लहरों को समर्पित कर देता है। कोई सागर में डुबकी लगाकर लहरों के साथ अठखेलियां करता है। सागर किसी पर दबाव नहीं बनाता कि ऐसा करो या वैसा करो। इसी तरह यह सारा जीवन है। एक पाठशाला की तरह। इसे देखो और जो चाहे बटोर लो।

प्रस्तुतिः पूनम पांडे

मां का बिठौना

डॉक्टर टोडरमल की मां उसे सदा टोडर कहकर बुलाती थी। डॉक्टर साहब को मां का यह एक वचनी संबोधन अप्रिय लगता था। एक दिन उसने अपनी मां को यह कहते हुए झिड़क दिया कि, 'मां! तमाम बड़े-बड़े लोग सदा मुझे ढंग से बुलाते हैं, पर तुम हमेशा मुझे बेहुदा तरीके से पुकारती हो, यह ठीक बात नहीं है।' मां भांप गई कि बेटा बड़ाई का भूखा है। उसने बेटे को नसीहत देने के लिए एक तरकीब सोची। शाम को मां ने बेटे से कहा कि, 'बेटा, शैशवावस्था में जिस तरह तुम मेरे साथ सोते थे अगर अब एक रात इस प्रकार मेरे साथ लेटोगे तो मैं तुम्हें सदैव सम्मान के साथ पुकारूंगी।' बेटे ने हामी भर ली। शाम को दोनों एक साथ सो गए। आधी रात को उसकी मां ने पीने का पानी मांगा। डॉक्टर ने उठकर पानी का गिलास पकड़ा दिया। उसकी मां ने आधा गिलास पानी पी लिया और बाकी का जान-बूझकर बिछौने पर उड़ेल दिया। यह देखकर डॉक्टर उखड़ गया और बोला, 'मां, अब मैं इस गीले बिछौने पर कैसे सोऊंगा?' मौका पाकर मां ने कहा, 'बेटे! जब तुम छोटे थे तो इसी तरह नित्य मेरे बिछौने को बार-बार पेशाब करके भिगोया करते, पर मैंने कभी उफ तक न की। मैं सदा गीले में सोई किन्तु तुम्हें मैंने हरदम सूखे में सुलाया।' मां की बात सुनकर डॉक्टर साहब का शर्म से माथा झुक गया।

प्रस्तुतिः राजकिशन नैन

मैरिड लाइफ को खुशहाल बनाने के लिए करें शिव-पार्वती की पूजा, दूर होंगे सारे कष्ट!

अगर आप अपनी मैरिड लाइफ को खुशहाल बनाना चाहते हैं तो आप ज्येष्ठ माह के भौम प्रदोष व्रत में शिव-पार्वती की विधान से पूजा करें। इससे आपको जीवन में आने वाले सभी कष्टों से छुटकारा मिलेगा और घर में सुख-समृद्धि बनी रहेगी।

हिन्दू धर्म में हर महीने शुक्ल और कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी को प्रदोष व्रत रखा जाता है। ये व्रत भगवान शिव और माता पार्वती को समर्पित है। इस व्रत को करने से मैरिड लाइफ की परेशानियां दूर करने और उसे सुखमय बनाने के उद्देश्य से रखा जाता है। क्योंकि ये व्रत मैरिड लाइफ की खुशहाली के लिए बहुत ही उत्तम माना गया है। इस ज्येष्ठ महीने में प्रदोष व्रत 4 जून दिन मंगलवार को पड़ रहा है। इस दिन प्रदोष काल के शुभ मुहूर्त में भगवान शिव और पार्वती का पूजन करने से उनकी विशेष कृपा प्राप्त होती है।

प्रदोष व्रत का महत्व सप्ताह के अलग दिनों के हिसाब से अलग-अलग होता है। 4 जून को मंगलवार पड़ने की वजह से भौम प्रदोष का संयोग बन रहा है। भौम प्रदोष व्रत और पूजा से आयु में वृद्धि तथा अच्छा स्वास्थ्य लाभ देने वाला होता है। इस व्रत से दाम्पत्य जीवन सुखमय होता है और जीवन के तमाम संकट दूर हो जाते हैं। परिवार में सुख संपन्नता बनी रहती है।

पंचांग के अनुसार ज्येष्ठ माह के कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी तिथि 4 जून 2024 को प्रातः 12 बजकर 18 मिनट पर शुरू होगी। इसकी समाप्ति 4 जून 2024 को रात 10 बजकर 01 मिनट पर होगी और पूजा के लिए शुभ मुहूर्त रात 07.16 रात 09.18 बजे तक रहेगा।

प्रदोष व्रत पूजा विधि

प्रदोष व्रत के दिन सूर्योदय से पूर्व उठ जाएं और स्नानादि से निवृत्त होने के बाद भगवान के समक्ष व्रत का संकल्प लें।

इसके बाद बगैर आहार लिए पूरे दिन का उपवास करें और शाम को सूर्यास्त से पहले स्नान करके सफेद वस्त्र पहनें।

फिर पूजा स्थल को गंगाजल और गाय के गोबर से लीपकर मंडप तैयार करें। इस मंडप पर पांच रंगों से रंगोली बनानी चाहिए।

पूजा की तैयारी करने के बाद उत्तर पूर्व दिशा की ओर मुख कर भगवान शिव की उपासना कुश के आसन पर बैठकर करें।

पंचाक्षर मंत्र ऊँ नमः शिवाय का जाप करते हुए शिव जी का जलाभिषेक करें।

उन्हें सफेद फूलों की माला, धतूरा, चंदन, धूप और दीप आदि अर्पित करें।

अंत में व्रत कथा पढ़ें, प्रसाद लगाएं और आरती गाएं। इसके बाद गरीबों में दान अवश्य करें।

सूर्य देव की आराधना से मिलेगी तरक्की प्रदोष व्रत के दिन सुबह के समय यदि सूर्य स्तोत्र का पाठ करके उन्हें अर्ध्य दिया जाए तो परिवार के सदस्यों की लाइफ में तरक्की मिलती है। सभी लोग निरोगी होते हैं और घर में धन धान्य की कमी नहीं रहती है। घर के सभी सदस्यों पर भगवान शिव और माता पार्वती की कृपा बनी रहती है।

अहंकार रहित सामर्थ्य के प्रेरणा स्त्रोत मारुतिनंदन

पौराणिक चरित्रों से बहुत कुछ सीखा जा सकता है। आध्यात्मिक भाव से जुड़े ऐसे चरित्र भक्ति ही जीवन शक्ति जुटाने का भी मार्ग सुझाते हैं। उनके विचार और व्यवहार परिस्थितियों से जूझने का बल देते हैं। आराध्य मानने के साथ ही उनके गुणों को अपने व्यक्तित्व में उतारने की सोच इंसान का जीवन बदल सकती है। यूं भी भक्ति भाव का अर्थ केवल पूजन-अर्चन तक सीमित नहीं होता। ईश्वरीय शक्ति से जुड़ी आस्था में समाहित संदेशों को व्यावहारिक धरातल पर भी जीना होता है। ऐसा हर संदेश हमारे जीवन को सही दिशा दे सकता है। ईश्वर के इन रूपों में भगवान हनुमान बेहद सहज और सरल लगते हैं। समर्पण के भाव और कार्यकुशलता की बात होते ही बजरंग बली का स्मरण हो आता है। उनसे जुड़ी बहुत-सी बातें आज के समय में भी प्रासंगिक तो हैं ही हमारे जीवन को सार्थकता देने वाली भी है।

सतत सीखते जाना

अतुलित बल और बुद्धि कौशल के धनी होने बावजूद भगवान हनुमान सदैव नया सीखने-समझने वाले रहे। सीखने का यही भाव गुणी बनाने के साथ ही हर परिस्थिति में विजय दिलाने वाला भी रहा। उनके चरित्र में न ज्ञान का दंभ है और न ही कुछ कर दिखाने की शीघ्रता का विचलन। जानने के समझने के भाव के विस्तार देने से ही यह ठहराव पाया जा सकता है। नम्र भाव से कुछ जानने की सोच रखना असल में जीवन का हर पक्ष संवार देता है। साहस और सदाचार को चरित्र में उतारता है। भगवान हनुमान के व्यक्तित्व का यह आयाम हमें भी सदैव अपनी सीखने की यात्रा जारी रखने का संदेश देता है। इसके लिए शांत भाव से दूसरों की बात सुनना आवश्यक है। हमेशा अपनी क्षमता और दक्षता का बखान करते रहने के बजाय वैचारिक स्थिरता का चुनाव आवश्यक है। बजरंग बली हनुमान का चरित्र हमें ऐसे गुणों की ओर मोड़ता है।

विनम्रता भरपूर अहंकार से दूर

बल, बुद्धि और विद्या देने वाले भगवान हनुमान का चरित्र बहुत विनम्र है। शक्तिसम्पन्न होने के बावजूद अहंकार से पूरी तरह दूर। अपार शक्ति के स्वामी होने के बाद भी विध्वंस

नहीं संवाद का मार्ग चुनते हैं। बजरंग बली का चरित्र सिखाता है कि बलवान होना हमें बड़ा नहीं बना सकता है। विनम्र बनकर तो अपने लक्ष्यों को हासिल करना और सरल हो जाता है। साथ नम्रता का यह भाव कभी अहंकारी भी नहीं बनने देता। ये दोनों ही मानवीय गुणों को बचाए रखती हैं। इस आदर्श व्यवहार के कारण ही हनुमान जी कई अवसरों पर चतुराई से काम लेते हैं पर चालाकी नहीं करते। असल में चतुराई खुद के लिए रास्ता बनाने वाली सोच से जोड़ती है जबकि चालाकी दूसरों के मार्ग में बाधा बनने की सोच लाती है। अहंकारी लोग आमतौर पर दूसरों का रास्ता रोकने का काम करते हैं। विनम्रता ही मन में समर्पण का भाव लाती है। असंख्य गुणों में प्रभु राम के प्रति समर्पित होना हनुमान जी के सर्वोत्तम गुण है। आज के समय में पद, पैसा और पहचान अधिकतर लोगों को अहंकार का शिकार बना रहा है। विनम्रता से दूर कर रहा है। दूसरों का अपमान करने की विस्तार पाती मानसिकता घर हो या बाहर हर जगह दिख जाती है। आज इस मोर्चे पर श्रीराम भक्त हनुमान जी का जीवन बहुत ही प्रेरणादायक है।

सहजता का भाव

भगवान हनुमान साहसी हैं पर बहुत सहज भी। माना तो यह भी जाता है कि आज के युग में हनुमान जी सबसे जल्दी प्रसन्न होने वाले देवता है। संयम और संतुलन को जीने के बावजूद उनका चरित्र गंभीरता नहीं ओढ़ता। एक सहज भोलापन उनके चरित्र की खासियत है। बच्चे और बड़े सभी भगवान हनुमान से जुड़ाव महसूस कर पाते हैं। यही वजह है कि हिंदू पौराणिक चरित्रों में वायु पुत्र हनुमान सबसे लोकप्रिय और व्यापक रूप से पूजे जाने वाले देवताओं में से एक हैं। मौजूदा दौर में भी सहजता आम इंसान को भी अपने समाज और परिवार से जोड़ने वाला गुण है। दृढ़ता के साथ निश्छलता बनाए रखने का यह पावन भाव पवनपुत्र हनुमान जी के चरित्र से सीखा जा सकता है। नागरिकों के व्यवहार में साहस संग सहजता का गुण सामुदायिक जीवन में स्नेह और समरसता को पोस सकता है। एक-दूसरे प्रति किसी भी तरह के भय को बढ़ाने के बजाय एकसूत्र में बांधता है। ईश्वरीय आस्था का यह सबसे सच्चा रूप है।

विनम्रता की प्रतिष्ठा

पंडित विद्याभूषण बहुत बड़े विद्वान थे। उन्हीं के पड़ोस में एक अशिक्षित व्यक्ति रहते थे- रामसेवक। वे अत्यंत सज्जन थे और लोगों की खूब मदद किया करते थे। पंडित जी रामसेवक को ज्यादा महत्व नहीं देते थे और उनसे दूर ही रहते थे। एक दिन पंडित जी अपने घर के बाहर टहल रहे थे। तभी एक राहगीर उधर आया और मोहल्ले के एक दुकानदार से पूछने लगा, 'भाई यह बताओ कि पंडित विद्याभूषण जी का मकान कौन-सा है।' यह सुनकर पंडित जी की उत्सुकता बढ़ी।

वह सोचने लगे कि आखिर यह कौन है जो उनके घर का पता पूछ रहा है। तभी दुकानदार ने उस राहगीर से कहा, 'मुझे तो किसी पंडित जी के बारे में नहीं मालूम।' तब राहगीर ने कहा, 'क्या रामसेवक जी का घर जानते हो?' दुकानदार ने हंसकर कहा, 'अरे भाई उन्हें कौन नहीं जानता। वे बड़े भले आदमी हैं।' फिर उसने हाथ दिखाकर कहा, 'वो रहा रामसेवक जी का घर।' दुकानदार ने राहगीर से सवाल किया, 'लेकिन आपको काम किससे है? पंडित जी से या रामसेवक जी से?' राहगीर कहने लगा, 'भाई काम तो मुझे रामसेवक जी से है। पर उन्होंने ही बताया था कि उनका मकान पंडित विद्याभूषण जी के पास है।' यह सुनकर पंडित जी ग्लानि से भर उठे।

प्रस्तुतिः मुकेश ऋषि

अक्षय कुमार की फिल्म में सुनील शेट्टी बनेंगे डॉन!

अक्षय कुमार स्टारर फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' इस साल की बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है। निर्देशक अहमद खान द्वारा निर्देशित, यह फिल्म ज्योति देशपांडे और फिरोज ए. नाडियाडवाला द्वारा निर्मित है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार यह फिल्म 20 दिसंबर, 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज हो सकती है। अब इस फिल्म को लेकर एक बड़ा अपडेट सामने आया है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार 'वेलकम टू द जंगल' में सुनील शेट्टी एक 'डॉन' के किरदार में नजर आएंगे, लेकिन यह डॉन खतरनाक नहीं बल्कि प्यारा होगा। सुनील शेट्टी ने कई फिल्मों में अपनी कॉमेडी से लोगों का खूब मनोरंजन किया है। सुनील के फैंस जरूर उन्हें एक 'प्यारे डॉन' के किरदार में देखना चाहेंगे। इस फिल्म को लेकर सुनील शेट्टी काफी उत्सुक है और खुश है कि वह फिर से एक बार पअक्षय कुमार और परेश रावल के साथ काम करेंगे। इस फिल्म में सुनील डॉन के किरदार के साथ कॉमेडी का तड़का लगाते नजर आएंगे। वेलकम टू द जंगल' की स्टारकास्ट की बात करें तो फिल्म में अक्षय कुमार, दिशा पटानी, जैकलीन फर्नांडीज, अरशद वारसी, सुनील शेट्टी, रवीना टंडन, परेश रावल, लारा दत्ता, तुषार कपूर, श्रेयस तलपड़े, जॉनी लीवर, राजपाल यादव, कीकू शारदा, दलेर मेहंदी मीका सिंह, और भी कई कलाकार धमाल मचाते हुए नजर आएंगे।

शाहरुख की 'किंग' में बेटी सुहाना खान!

शाहरुख खान के प्रशंसकों ने नए वीडियो में सुहाना खान के साथ उनकी अगली फिल्म की स्क्रिप्ट देखी । रिपोर्ट्स के मुताबिक शाहरुख खान जुलाई में अपनी अगली फिल्म किंग की शूटिंग शुरू करेंगे। सुजॉय घोष निर्देशित इस फिल्म में शाहरुख की बेटी सुहाना खान भी हैं। शाहरुख खान ने हाल ही में खुलासा किया कि पिछले कुछ महीनों से वह इंडियन प्रीमियर लीग में व्यस्त हैं, इसलिए वह जुलाई-अगस्त में अपनी अगली फिल्म की शूटिंग शुरू करेंगे। अब, एक नए वीडियो की बदौलत, अभिनेता अपनी अगली फिल्म, जिसका शीर्षक कथित तौर पर किंग है, की तैयारी कर रहे हैं।"

श्रेया घोषाल के गाने पर अल्लू-रश्मिका ने दिखाए किलर मूव्स

पुष्पा 2: द रूल के लिए एक्साइटमेंट दूसरे सिंगल, 'द कपल सॉन्ग' की रिलीज के साथ नई ऊंचाइयों को छूने वाला है। इस गाने में नेशनल अवार्ड विनर अल्लू अर्जुन को पुष्पराज और खूबसूरत रश्मिका मंदाना को श्रीवल्ली के रूप में देखना अपने आप में खास अनुभव है। जहां, टीजर और पहले सिंगल, 'पुष्पा पुष्पा' ने बहुत एक्साइटमेंट पैदा की, वहीं दूसरा सिंगल और भी बड़ा इंपैक्ट डालने के लिए तैयार है। इस अनोखे वीडियो सॉन्ग में दर्शकों को अपनी पसंदीदा फिल्म के असल सेट की झलक देखने को मिलेगी, जो बिना किसी शक दर्शकों के लिए एक नया और मजेदार अनुभव होगा। वीडियो में डायरेक्टर सुकुमार को इस गाने की शूटिंग को एंजॉय करते हुए देखा जा सकता है, जबकि कास्ट और क्रू, कोरियोग्राफर गणेश आचार्य की धुन पर नाच रहे हैं। इस झलक से सभी के बीच की दोस्ती साफ नजर आ रही है, जो दर्शकों को जरूर और उत्साहित करेगी। पुष्पा 2: द रूल से दूसरा सिंगल 'द कपल सॉन्ग', अब आखिरकार सूसेकी (तेलुगु), अंगारों (हिंदी), सूडाना (तमिल), नोडोका (कन्नड़), कंडालो (मलयालम), और आगुनेर (बंगाली) जैसे 6 अलग-अलग भाषाओं में रिलीज हो चुकी है।

दीपिका ने शाहरुख-आलिया को पछाड़ा

अपने बहुमुखी अभिनय और अंतर्राष्ट्रीय अपील के लिए प्रसिद्ध दीपिका पादुकोण नई सूची में उद्योग के दिग्गजों और उभरते सितारों को पीछे छोड़ देती हैं। बॉलीवुड अभिनेत्री दीपिका पादुकोण, जो जल्द ही 'सिंघम अगेन' और 'कल्कि 2898 एडी' में नज़र आएंगी, पिछले दशक के शीर्ष 100 सबसे ज़्यादा देखे जाने वाले भारतीय सितारों की IMDb सूची में शीर्ष पर हैं। उनके बाद वह अभिनेता हैं जिनके साथ उन्होंने 'ओम शांति ओम' से अपनी शुरुआत की थी, बॉलीवुड के मेगास्टार शाहरुख खान। दीपिका पादुकोण ने पिछले दशक के शीर्ष 100 सबसे ज़्यादा देखे जाने वाले भारतीय सितारों की IMDb की सूची में शीर्ष स्थान प्राप्त करके एक उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। शाहरुख खान और आमिर खान सहित बॉलीवुड के कई दिग्गजों के बीच, फिल्म उद्योग में पादुकोण की असाधारण यात्रा ने उन्हें अलग पहचान दिलाई है। अपना आभार व्यक्त करते हुए पादुकोण ने कहा, "मैं वैश्विक दर्शकों की भावनाओं को समझने वाली सूची में शामिल होने के लिए बहुत आभारी हूँ। IMDb लोगों के जुनून, रुचियों और प्राथमिकताओं की सच्ची नब्ज को दर्शाते हुए विश्वसनीयता के प्रतीक के रूप में खड़ा है। यह मान्यता वास्तव में विनम्र करने वाली है और मुझे दर्शकों से जुड़ने और उनसे मिलने वाले प्यार का जवाब प्रामाणिकता और उद्देश्य के साथ देने के लिए प्रेरित करती है, चाहे वह स्क्रीन पर हो या स्क्रीन के बाहर।" शाहरुख खान के साथ ब्लॉकबस्टर फिल्म ओम शांति ओम में अपनी शुरुआत के बाद से दीपिका पादुकोण एक घरेलू नाम बन गई हैं। पिछले एक दशक में, उनकी विविध फ़िल्मोग्राफी ने एक अभिनेता के रूप में उनकी बहुमुखी प्रतिभा को प्रदर्शित किया है। हास्य और एक्शन से भरपूर चेन्नई एक्सप्रेस से लेकर पीकू की गहन भावनात्मक गहराई तक, उन्होंने कई तरह की विधाओं में काम किया है। बाजीराव मस्तानी और पद्मावत में महाकाव्य ऐतिहासिक पात्रों के उनके चित्रण ने उन्हें बॉलीवुड के सबसे कुशल अभिनेताओं में से एक के रूप में और भी मजबूत किया है। इसके अलावा, 2017 में हॉलीवुड में उनकी पहली फिल्म xXx: रिटर्न ऑफ़ ज़ेंडर केज के साथ उनकी अंतर्राष्ट्रीय उपस्थिति मजबूत हुई।

27 साल बाद साथ दिखेंगे काजोल और प्रभुदेवा

काजोल और प्रभुदेवा की जोड़ी वाली फिल्म 'महारागिनी' का पहला टीजर सामने आ चुका है। 27 साल बाद यह जोड़ी एक बार फिर बड़े बजट की एक्शन थ्रिलर फिल्म में नजर आएगी। फिल्म में नसीरुद्दीन शाह, संयुक्ता मेनन, जिशु सेन गुप्ता और आदित्य सील जैसे अभिनेता शामिल हैं। 28 मई को निर्माताओं ने 'महारागिनी: रानियों की रानी' का टीजर जारी कर दिया है। फिल्म के टीजर में काजोल धुआंधार एक्शन करते हुए दिख रही हैं। काजोल बिना डरे गुंडों का सफाया कर रही हैं। ट्रेलर की शुरुआत प्रभु देवा की एंट्री से होती है।

प्रभु देवा खलनायक के किरदार में दिख रहे हैं। वहीं, काजोल की एंट्री 'पॉवर मांग कर नहीं छीन कर ली जाती है' डायलॉग से होती है। बता दें कि काजोल का ये अवतार देखकर उनके प्रशंसकों से रहा नहीं जा रहा, वह फिल्म देखने के लिए बेकरार हुए जा रहे हैं। काजोल ने इंस्टाग्राम पर जैसे ही टीजर साझा किया उनके कमेंट बॉक्स में प्रशंसकों ने उनकी तारीफ करना शुरू कर दिया। फिल्म के टीजर में काजोल का एक्शन अवतार देखकर जहां उनके प्रशंसकों की ख़ुशी का ठिकाना नहीं रहा वहीं वह उनके इस अवतार को देखकर हैरान भी हैं। फिल्म में काजोल का सशक्त किरदार देखकर उनके प्रशंसकों ने उन्हें रानियों की रानी कहा है। टीजर में देखा जा सकता है कि काजोल तलवार और चाबुक से गुंडों का सफाया कर रही हैं। वह बहुत ही खतरनाक लुक में दिख रही हैं। तेलुगु फिल्म निर्माता चरण तेज उप्पलपति 'महारागिनी' फिल्म से हिंदी निर्देशक के रूप में डेब्यू कर रहे हैं।

बीवी नंबर-1 के 25 साल पूरे

करिश्मा कपूर, सुष्मिता सेन और अनिल कपूर स्टारर 'बीवी नंबर 1' 1999 में रिलीज़ हुई थी और आज इसकी रिलीज़ को 25 साल पूरे हो गए हैं। इस मौके पर, करिश्मा का एक पुराना इंटरव्यू याद आता है, जिसमें उनसे पूछा गया था कि वह अपनी छोटी बहन करीना कपूर खान के साथ कौन सी फिल्म बनाना चाहेंगी और उन्होंने 'बीवी नंबर 1' का नाम लिया था। डेविड धवन की इस मूल फिल्म में सलमान खान, करिश्मा कपूर, सुष्मिता सेन और अनिल कपूर मुख्य भूमिका में थे। यह फिल्म ब्लॉकबस्टर रही और हाल ही में इसकी रिलीज के 25 साल पूरे हुए।अपनी बहन के साथ अपने अटूट बंधन के बारे में आगे बताते हुए उन्होंने कहा, "करीना और मैं बहुत करीब हैं, और हम अपने बच्चों सहित हर चीज़ पर चर्चा करते हैं। हम दोनों एक-दूसरे के सबसे बड़े विश्वासपात्र और सपोर्ट सिस्टम हैं।"

करिश्मा और करीना के बीच काफ़ी नज़दीकी रिश्ता है और वे अक्सर इंटरव्यू में इसका ज़िक्र करती हैं। काम की बात करें तो करिश्मा ने 'मर्डर मुबारक' में काम किया है जो इस साल 15 मार्च को रिलीज़ हुई थी। वहीं, करीना राजेश ए. कृष्णन की निर्देशित 'क्रू' में तब्बू और कृति सनोन के साथ नज़र आईं।

पंचायत 3 : जितेंद्र कुमार उर्फ 'सचिव जी' ने फीस का किया खुलासा

पंचायत सीजन 3 मंगलवार, 28 मई को रिलीज हुआ। अमेजन प्राइम वीडियो सीरीज ओजी स्टार्स- जीतेंद्र कुमार, नीना गुप्ता, रघुबीर यादव, सांविका और चंदन रॉय एक और मजेदार सीजन लेकर वापस आए हैं। जहां सीरीज को मिली-जुली समीक्षा मिल रही है, वहीं एक रिपोर्ट में शो के लिए कलाकारों की फीस का खुलासा किया गया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, जितेंद्र कुमार उर्फ जीतू अमेजन प्राइम वीडियो के सबसे ज्यादा फीस लेने वाले अभिनेता हैं। दावा किया जा रहा है कि नीना गुप्ता शो की दूसरी सबसे ज्यादा फीस लेने वाली स्टार हैं।

एबीपी लाइव के मुताबिक, अभिषेक त्रिपाठी की भूमिका के लिए जितेंद्र कुमार को प्रति एपिसोड 70,000 रुपये का भुगतान किया गया था। यह देखते हुए कि तीसरे सीजन में आठ एपिसोड हैं, इस सीजन के लिए जितेंद्र का अनुमानित वेतन 5,60,000 रुपये है। रिपोर्ट में कहा गया है कि नीना गुप्ता सूची में दूसरे स्थान पर हैं। नए सीजन में मंजू देवी की भूमिका को फिर से दोहराने के लिए, लेकिन कहा जा रहा है कि उन्हें प्रति एपिसोड 50,000 रुपये का भुगतान किया गया था। इसका मतलब है कि सीजन के लिए 4,00,000 रुपये का अनुमान है।

इस सीजन के तीसरे सबसे ज्यादा फीस लेने वाले स्टार रघुबीर यादव बताए जा रहे हैं। प्रधान जी उर्फ मंजू देवी के पति की भूमिका को दोहराते हुए, उन्हें कथित तौर पर इस सीजन में प्रति एपिसोड 40,000 रुपये यानी 3,20,000 रुपये का भुगतान किया गया है। नए सीजन में विकास जी का किरदार निभाने वाले चंदन रॉय ने प्रति एपिसोड 20,000 रुपये चार्ज किए। नए सीजन की शुरुआत सीजन 2 के समापन समारोह से होती है। अब स्थानांतरित सचिव जी (जितेंद्र कुमार द्वारा अभिनीत) अपनी कैट की तैयारी के लिए दिल्ली चले गए हैं, लेकिन मानसिक रूप से फुलेरा के बारे में सोच रहे हैं। दूसरी ओर, हम उनकी जगह लेने वाले नये पंचायत सचिव से मिलते हैं। नया सीजन नए ट्विस्ट और टर्न लेकर आया है।

पंचायत सीजन 3 का प्रीमियर मंगलवार, 28 मई को हुआ। समीक्षाओं के बीच, एक नई रिपोर्ट में कथित तौर पर कलाकारों के फीस का खुलासा किया। वहीं नीना गुप्ता ने चार्ज किए प्रति एपिसोड के इतने रुपये।

फिट दिखने का एक बेहतर विकल्प

ग्रीन टी, दालचीनी, तुलसी, विलायती इमली, पाईन एप्पल, कोकम, सोंठ आदि

जैसे 15 आयुर्वेदिक जड़ी बूटियों के एक्सट्रेक्ट से बना है जौली फैट गो कैप्सूल

इम्युनिटी बढ़ाएं, और मैटाबॉलिज़्म को तेज करें

जिससे आपके शरीर में फालतू वसा जमा नहीं होती और जमी हुई वसा ऊर्जा में बदलती है। भूख की तीव इच्छा भी नियंत्रित रहती है।

बढ़े हुए मैटाबॉलिज़्म से और बढ़ी हुई इम्युनिटी से आप रहें

स्वस्थ भी, स्मार्ट भी

2 पैक जौली फैट– गो कैप्सूल के साथ 1 पैक जौली तुलसी 51 ग्रीन टी FREE

JOLLY FAT-GO कैप्सूल और ऑयल

हर मैडिकल स्टोर पर उपलब्ध है | Helpline» 0161-520-1551

कोंडली व सेक्टर-144 में चला बाबा का बुल्डोजर

10.62 करोड़ कीमत की 5040 वर्गमीटर जमीन अतिक्रमण से मुक्त कराई

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा प्राधिकरण ने दो स्थानों पर भू-माफ्रियाओं के अवैध अतिक्रमण को ध्वस्त करने 10.62 करोड़ कीमत की 5040 वर्ग मीटर जमीन अतिक्रमण से मुक्त करा ली।

वर्क सर्किल-8 के अन्तर्गत सेक्टर-144 में अतिक्रमण उन्मूलन की कार्यवाही की गई, जिसमें अतिक्रमणकर्ता द्वारा प्राधिकरण की 1800 वर्गमीटर अधिसूचित भूमि पर अवैध रूप से निर्मित अस्थायी दुकानों को पलिस बल की उपस्थिति में ध्वस्तीकरण किया गया। अतिक्रमण मुक्त की गई उक्त भूमि की बाजार लागत लगभग 9 करोड़ बताई जा रही है।

इसके अतिरिक्त वर्क सर्किल-10 के कार्यक्षेत्र में ग्राम कोण्डली में खसरा संख्या-403 से अतिक्रमण हटाया गया। यहां पर अतिक्रमणकर्ता द्वारा नोएडा प्राधिकरण की अधिसूचित क्षेत्र में अवैध रूप से बाउण्ड्रीवाल बनाकर अतिक्रमण कर रखा था। वर्क सर्किल के समस्त प्रबन्धक, अवर अभियन्ता, फील्ड स्टाफ एवं पुलिस कर्मियों की उपस्थिति में उक्त अतिक्रमण का ध्वस्तीकरण किया गया। अतिक्रमणमुक्त करायी गई इस भूमि का क्षेत्रफल लगभग 3240 वर्ग मीटर है, जिसकी बाजार लागत लगभग 1.62 करोड़ रुपए बताई जा रही है। प्राधिकरण के अधिकारियों ने बताया कि आज 2 स्थानों पर 5040 वर्ग मीटर क्षेत्रफल अतिक्रमण उन्मूलन की कार्यवाही कर प्राधिकरण की जमीन को अतिक्रमण मुक्त करायी गई, जिनकी कुल बाजार लागत लगभग 10.62 करोड़ आंकी गई है। नोएडा प्राधिकरण के सीईओ लोकेश एम ने कहा है कि नोएडा के अधिसूचित एरिया में किसी भी व्यक्ति को अवैध निर्माण करने की इजाजत नहीं है। नोएडा में कहीं भी जमीन खरीदने से पहले प्राधिकरण से संपर्क कर पूरी जानकारी जरूर प्राप्त कर लें।

भारत रत्न चौधरी चरण सिंह की पुण्यतिथि पर पिलाया मीठा पानी

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। देश के पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न चौधरी चरण सिंह की 37वीं पुण्यतिथि पर राष्ट्रीय लोकदल के कार्यकर्ताओं ने जैतपुर गोल चक्कर नियर बाई ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ऑफिस पर लोगों को मीठा पानी (शरबत) पिलवाया तथा चौ.चरण सिंह को पुष्पांजलि अर्पित की।

इस मौके पर रालोद के जिलाध्यक्ष जनार्दन भाटी ने कहा कि चौधरी चरण सिंह ने अपनी राजनीतिक जीवन में सदैव गरीब किसान मजदूर छोटे व्यापारी युवा एवं अल्पसंख्यकों के लिए संघर्ष किया। देश के प्रधानमंत्री रहते हुए उन्होंने ग्राम विकास मंत्रालय का गठन किया जिसके द्वारा गांव का विकास अच्छी तरीके से हो सके। उनके द्वारा किए गए कार्य इस देश के विकास में मील का पत्थर साबित हो रहे हैं।

हम सभी लोगों को गर्व है इस बात का एक गरीब किसान का बेटा इस देश के सबसे सम्मानित पद पर पहुंचकर किसान और मजदूर का सम्मान बढ़ाया। हम सभी राष्ट्रीय लोक दल के कार्यकर्ता उन्हीं को आदर्श मानते हैं।

इस मौके पर महेश आर्या राष्ट्रीय सचिव, अजीत सिंह दौला, इंद्रवीर सिंह भाटी, प्रदेश प्रवक्ता श्रीमती प्रियंका अत्रि, वीरेंद्र पूनिया, गजेंद्र सिंह, सुबोध कुमार, गोपाल सिंह, गजेंद्र सिंह दरोगा, जसवीर भाटी, विनीत भाटी, विनोद भाटी (मकोड़ा), नीरज शर्मा, आशीष भाटी, अभय भाटी, विक्रांत भाटी आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह की पुण्यतिथि मनाई

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। अखिल भारतीय किसान सभा के जिला दफ्तर पर देश के पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न चौधरी चरण सिंह की पुण्यतिथि मनाई गई।

किसान सभा के 27 तारीख को ईस्टर्न पेरीफेरल वे को किसानों के लिए टोल फ्री करने के 27 मई के आंदोलन के क्रम में प्रशासनिक अधिकारियों के हस्तक्षेप से पेरीफेरल वे के टोल मैनेजमेंट ने वार्ता का प्रस्ताव रखा था जिसके क्रम में बुधवार को टोल मैनेजर कमल नागर अखिल भारतीय किसान सभा के दफ्तर पर उपस्थित हुए। उनके साथ बातचीत हुई।

किसान सभा के ऑफिस पर पूर्व प्रधानमंत्री किसानों के मसीहा चौधरी चरण सिंह की पुण्यतिथि मनाई गई। किसान सभा के सदस्यों ने उनको भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की और चौधरी चरण सिंह अमर रहें के नारे लगाए।

किसान सभा के जिला अध्यक्ष डॉ रुपेश वर्मा ने उपस्थित साथियों को संबोधित करते हुए कहा कि चौधरी चरण सिंह के नेतृत्व में जमींदारी उन्मूलन कानून बना था जिसके कारण किसानों को जमीने मिली और पश्चिमी उत्तर प्रदेश सहित पूरे उत्तर प्रदेश में किसानों के बीच संपन्नता आई। भारत में किसानों की राजनीति को खड़ी करने वाले चौधरी चरण सिंह ही थे भारत सरकार ने देर से ही सही उनके योगदान को स्वीकार किया है और उन्हें भारत रत्न दिया है। चौधरी चरण सिंह हमेशा किसानों के लिए प्रेरणा रहे हैं और आगे भी रहेंगे किसान सभा उन्हें अपनी भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करती है।

इस दौरान अजय पाल भाटी निशांत रावल प्रशांत भाटी जगबीर नंबरदार सुधीर रावल गवरी मुखिया रूपचंद भाटी पप्पू ठेकेदार सुरेंद्र भाटी अमित भाटी, गुरदीप एडवोकेट अमित नागर मोहित नागर मोहित भाटी देशराज राणा, वीर सिंह नागर नितिन चौहान सुशील सुनपुरा संदीप भाटी सतीश यादव यतेंद्र एवं बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

पैरोल से फरार 50 हजार के ईनामी गैंगस्टर को मुंबई से दबोचा

नोएडा (चेतना मंच)। कोविड महामारी के दौरान कोर्ट से 2 महीने की पैरोल मिलने के बाद गाजियाबाद का एक इनामी गैंगस्टर पैरोल जम्प करके मुंबई भाग गया। पिछले 4 सालों से इनामी गैंगस्टर मुंबई में छुपा हुआ था जिसे नोएडा एसटीएफ ने गिरफ्तार कर लिया है।

यूपी एसटीएफ को बड़ी कामयाबी मिली है। यूपी एसटीएफ ने आज 50000 रूपये का इनामी गैंगस्टर को मुंबई (महाराष्ट्र) से गिरफ्तार कर लिया है। गैंगस्टर का नाम शब्बीर पुत्र हसमुद्दीन है। शब्बीर पर अलग-अलग थानों में मुकदमे दर्ज हैं। यूपी एसटीएफ को लंबे समय से इसकी तलाश थी।

गैंगस्टर शब्बीर वर्ष-2002 में बिहार से दिल्ली आया था दिल्ली में उसकी मुलाकात उमर एवं अफरोज से हुई। उमर व अफरोज दोनों पहले से ही अपराधी थे। वर्ष 2019-20 में तीनों ने मिलकर गाजियाबाद के कई घरों में नकबजनी की घटनाएं की थी। शब्बीर पर संगीन धाराओं से मुकदमें दर्ज हैं। वह लम्बे समय से फरार चल रहा था।

शब्बीर को पुराने मुकदमे के चलते जनपद गाजियाबाद की पुलिस द्वारा वर्ष 2020 में जेल भेज दिया गया था। शब्बीर को कोविड महामारी के दौरान न्यायालय ने वर्ष-2020 मार्च महीने में दो महीने की पैरोल दी थी जिसे जंप करके वह फरार हो गया था। फरार चल रहे आरोपी पर पुलिस ने 50 हजार रूपये का ईनाम घोषित किया था।

एसटीएफ के अपर पुलिस अधीक्षक राजकुमार मिश्रा ने बताया कि एसटीएफ नोएडा के निरीक्षक सचिन कुमार को पता चला कि जनपद गाजियाबाद का 50000 रूपये का इनामी गैंगस्टर मुंबई में रह रहा है। जिस पर नोएडा एसटीएफ मुंबई पहुंची और शब्बीर को थाना कांदिबली क्षेत्र से गिरफ्तार कर लिया । एसटीएफ नोएडा के एक अधिकारी ने बताया कि शब्बीर के पास से 620 रूपये नगद और एक अदद आधार कार्ड मिला है।

मून लाइट होटल का भवन मालिक गिरफ्तार आग लगने से हुई थी युवती की मौत

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा के सेक्टर-104 स्थित मून लाइट होटल में आग लगने से युवती की मौत के मामले में सेक्टर-39 पुलिस ने भवन मालिक विमलेंदु झा को गिरफ्तार कर लिया है। होटल को लीज पर लेने वाले आरोपी की तलाश अभी जारी है।

थाना सेक्टर-39 के प्रभारी निरीक्षक जितेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि 18 मई को दोपहर दो बजे के करीब सेक्टर-46 की पलक प्रसाद अपने मंगेतर तरुण के साथ होटल के छठे मंजिल पर बने कमरे में रुकी थीं। शाम साढ़े चार बजे के करीब होटल की चौथी मंजिल पर आग लग गई। देखते ही देखते आग की लपटें और धुआं पांचवीं और छठी मंजिल पर भी पहुंच गया। धुआं कमरे के अंदर पहुंचने के कारण तरुण और पलक का दम घुटने लगा। सूचना पर पहुंचे अग्निशमन कर्मियों ने किसी तरह दोनों को बाहर निकाला और उपचार के लिए नजदीक के अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां उसकी मौत हो गई।

तरुण की हालत अब ठीक है। हादसे के बाद अगले दिन पलक के भाई प्रांशु वर्णवाल की ओर से होटल प्रबंधन के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया था। केस दर्ज होने के बाद से ही पुलिस होटल संचालक और भवन मालिक की तलाश कर रही थी।

मृतक युवती के भाई की शिकायत पर आइपीसी की धारा 304ए के तहत मुकदमा दर्ज किया था, लेकिन विवेचना व साक्ष्य संकलन के आधार पर आइपीसी की धारा को 304 में तरमीम किया गया है। फरार होटल संचालक की तलाश सभी संभावित ठिकानों पर की जा रही है।

पुलिस ने साइबर ठगी के नेटवर्क का किया भंड़ाफोड़

3 चीनी नागरिक समेत 5 गिरफ्तार, 223 सिम, लैपटॉप व मोबाइल बरामद

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा पुलिस ने साइबर अपराधियों के एक बड़े नेटवर्क का खुलासा करके पांच लोगों को गिरफ्तार करने का दावा किया है। इस गिरोह में तीन चीनी नागरिक भी शामिल हैं। ये लोग बैंकों में फर्जी खाते खुलवाकर साइबर क्राईम के जरिए एकत्रित रकम को इन्हीं खातों में जमा कराते थे।

एक्सप्रेसवे थाना पुलिस के मुताबिक अपहरण की एक फर्जी सूचना पर पहुंची पुलिस को पता चला कि अपहरण की जानकारी फर्जी है। बल्कि वहां पर साइबर ठगी की रकम का लेनदेन को लेकर आपस में झगड़ा चल रहा है। पुलिस ने मौके पर 5 लोगों को गिरफ्तार कर लिया। जिसमें तीन चीनी नागरिक भी थे।

थाना एक्सप्रेसवे पुलिस ने सेक्टर 134 स्थित एक सोसाइटी के पास से तेनजिंग कालसंग, कृष्ण मुरारी, शोभित तिवारी। त्सेरिंग धोन्दुप और चीनी नागरिक झु जुन्काई को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से 223 मोबाइल फोन के सिम कार्ड, लैपटॉप, मोबाइल फोन आदि बरामद किया है। पूछताछ के दौरान पुलिस को पता चला है कि चीनी नागरिक इस गैंग का सरगना है। ये लोग फर्जी तरीके से बैंक अकाउंट खुलवाते थे। कृष्ण मुरारी और शोभित तिवारी तीनों आरोपियों को बैंक अकाउंट उपलब्ध करवाते थे।

ये लोग साइबर अपराध करने वाले लोगों को अकाउंट किराए पर उपलब्ध करवाते थे। साइबर अपराध से अर्जित की गई रकम इन्ही अकाउंट में ट्रांसफर होती थी, तथा साइबर अपराधियों द्वारा इन आरोपियों को मोटी रकम कमीशन के रूप में दी जाती थी।

पुलिस ने यूट्यूबर शेर सिंह को हवालात में ठूंसा

नोएडा (चेतना मंच)। सोशल मीडिया पर लड़कियों के साथ अश्लील हरकत करके अश्लील व अभद्र वार्तालाप करने वाले यूट्यूबर शेर सिंह को लेकर सेक्टर-58 पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। उसका सेक्टर-62 के डी पार्क में बनाया अश्लील वीडियो काफी वायरल हुआ था।

पुलिस ने इस वायरल वीडियो का संज्ञान लेकर शेर को हवालात पहुंचा दिया। इसके पूर्व भी यह शख्स इसी तरह की अश्लील वीडियो सोशल मीडिया पर डाल चुका है। लोगों की मांग है कि ऐसे यूट्यूबर के खिलाफ संगीन धाराओं में मामला दर्ज कर लम्बे समय तक जेल में डाला जाए ताकि वह समाज में अश्लीलता न फैला सके।

अश्लील वीडियो हुआ था वायरल

शेर सिंह बहलोलपुर गांव का रहने वाला है। जब पुलिस ने उसे गिरफ्तार किया तो वह कच्छे में था।